RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 82 ता. 23 सितम्बर 2021, गुरूवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले गरमा रही दलित राजनीति, यूपी में भी दिखेगा असर

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के पहले दलित राजनीति गरमाने लगी है। पंजाब में दलित मुख्यमंत्री पर दांव लगाकर कांग्रेस ने राज्य में अपने समीकरणों को साधने की तो कोशिश की ही है, सभी दलों को भी सक्रिय कर दिया है। भाजपा ने भी बिना देर किए राज्यपाल पद छोड़ने वाली बेबी रानी मौर्य को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया। दरअसल चरणजीत सिंह चन्नी की ताजपोशी के बाद जिस तरह से बसपा प्रमुख मायावती ने प्रतिक्रिया दी और भाजपा ने भी अपने दलित नेताओं को उतारा उससे साफ है कि सभी दल दलित राजनीति के दांव की अहमियत को समझ रहे हैं। दलित राजनीति से जुड़े यह समीकरण केवल पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, इनका असर अगले लोकसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है। देश भर में दलित आबादी 16.6 फीसदी है। लेकिन पंजाब में इसकी संख्या 32 फीसदी व उत्तर प्रदेश में 22 फीसदी है। ऐसे में उत्तर प्रदेश व पंजाब के विधानसभा चुनाव पर इसका काफी असर पड़ता है। पंजाब के दलित समुदाय की प्रमुख जातियों में रोटी व बेटी का संबंध न होने से वहां पर दलित राजनीति सफल नहीं हो पाई है। बसपा के संस्थापक कांसीराम पंजाब से थे, लेकिन इसी वजह से वह भी राज्य में बसपा का जनाधार नहीं बना सके थे।

देश की राजनीति पर पड़ेगा असर-कांग्रेस के दलित मुख्यमंत्री का कार्ड पंजाब में भले ही ज्यादा या कम चले, लेकिन उसका असर देश भर की राजनीति में होगा। चरणजीत सिंह चन्नी इस समय देश में अकेले दलित समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री हैं। भाजपा व एनडीए के सहयोग व समर्थन वाली देश में 17 सरकारें हैं, लेकिन एक में भी दलित मुख्यमंत्री नहीं है। देश में यह 2015 के बाद कोई दलित मुख्यमंत्री बना है।

अमेरिका के लिए रवाना हुए पीएम मोदी, खुद ट्वीट कर दी कार्यक्रम की जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी बुधवार को पांच दिनी अमेरिकी यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वह इस दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में भाग लेने के साथ-साथ अन्य देश के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। वहीं अमेरिका के लिए प्रस्थान करने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद ट्वीट कर अपनी यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 22-25 सितंबर के बीच अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान, मैं राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करूंगा और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करूंगा। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि मैं राष्ट्रपति बाइडन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन और जापान के पीएम योशीहिदे सुगा के साथ पहले व्यक्तिगत रूप से क्वाड लीडर्स समिट में भाग लूंगा। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण के आधार पर भविष्य की व्यस्तताओं के लिए प्राथमिकताओं की पहचान करने का अवसर प्रदान करता है।

ये हैं पीएम मोदी के कार्यक्रम

पीएम मोदी 22 सितंबर को देर रात वाशिंगटन डीसी पहुंचेंगे और अगली सुबह वह अमेरिका के शीर्ष सीईओ से मुलाकात करेंगे। एपल प्रमुख टिम कुक के साथ एक बैठक भी कार्ड पर है। हालांकि, अधिकारियों ने बैठक के विवरण की पुष्टि नहीं की और समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि कार्यक्रम अभी भी तैयार ही किया जा रहा है। अमेरिका के शीर्ष व्यवसायियों के साथ बैक-टू-बैक बैठकों के बाद 23 सितंबर को पीएम मोदी अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री उसी दिन

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापानी समकक्ष योशीहिदे सुगा से भी मुलाकात करेंगे।

पीएम मोदी 24 सितंबर को राष्ट्रपति बाइडन से करेंगे मुलाकात

पीएम मोदी 24 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पहली प्रत्यक्ष द्विपक्षीय बैठक करेंगे और वाशिंगटन में पहले इन-पर्सन क्वाड लीडर्स समिट में भाग लेंगे। पीएम मोदी के दौरे के दौरान डिनर का भी आयोजन किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यात्रा भी पीएम मोदी की वाशिंगटन यात्रा के साथ मेल खा रही है और दोनों के मिलने की संभावना है। 24 सितंबर की शाम को, पीएम मोदी न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे, जहां अगले दिन वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देंगे।

ताकत से ताकत की ओर जाने का अवसर होगा- बाइडन

वहीं पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि शुक्रवार को पीएम मोदी के साथ यह पहली इन-पर्सन मीटिंग होगी। भारत के साथ हमारी वैश्विक साझेदारी के दृष्टिकोण से स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक संबंध को बनाए रखने के लिए एक साथ काम करके यह वास्तव में ताकत से ताकत की ओर जाने का अवसर होगा।

बाइडन प्रशासन की तरफ से जारी बयान में कहा कि पीएम मोदी और जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता में आतंकवाद के खतरे और अफगानिस्तान की स्थिति के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा कि हम आतंकवाद जैसे दुश्मन से लड़ने के लिए एक साथ कैसे काम कर सकते हैं। आगे कहा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध सिर्फ सरकार से सरकार के रिश्ते से ज्यादा गहरे हैं, यह वास्तव में दो लोगों के बीच का रिश्ता है।

वहीं व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच 24 सितंबर को होने वाली पहली द्विपक्षीय बैठक से दोनों देशों के बीच संबंध को और मजबूती मिलेगी और क्वाड समूह को नयी गति देने में मदद मिलेगी।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, 'बैठक के दौरान दोनों नेता अपने लोगों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच गहरे संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिसने सात दशकों से अधिक समय तक अमेरिका और भारत के बीच विशेष बंधन को मजबूती दी है।'

वैज्ञानिक ने कहा- सितंबर में कोरोना वायरस की रिप्रोडक्शन-वैल्यू हुई एक से भी कम

नई दिल्ली। चेन्नई के इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज की वैज्ञानिक सिताभरा सिन्हा का कहना है कि कोरोना वायरस की रिप्रोडक्शन (आर) वैल्यू गिरकर एक से कम हो गई है। अध्ययन के के अनुसार, कोरोना वायरस की आर वैल्यू अगस्त के आखिर में एक थी जो सितंबर में गिरकर 0.92 हो गई है। आर-वैल्यू एक से कम होने का मतलब है कि वायरस के फैलने की गति वहां धीमी हो गई है। वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन के आधार पर बताया है कि प्रमुख शहर जैसे मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बंगलूरू में आर वैल्यू एक से अधिक है। पुणे और दिल्ली में ये दर एक से कम है। कोरोना से बुरी तरह प्रभावित रहे महाराष्ट्र व केरल में सक्रिय मामले अधिक

होने के बावजूद भी वायरस की आर वैल्यू एक से कम है।

आर-वैल्यू को ऐसे समझें

वैज्ञानिकों के अनुसार एक संक्रमित व्यक्ति औसतन कितने लोगों को संक्रमित कर हा है। इसी से आर वैल्यू तय होती है। इसी से वायरस के प्रसार की गति का भी पता चलता है। दूसरी लहर के दौरान आर वैल्यू में गिरावट राहत का संदेश है।

स्कूली छात्र ने पकड़ी वेबसाइट में खामी, लीक हो सकता था कस्टमर डाटा

चेन्नई। एक स्कूली छात्र ने आईआरसीटीसी के ई-टिकट प्लेटफार्म पर एक ऐसी गड़बड़ी पकड़ी, जिससे कस्टमर का डाटा लीक होने की संभावना रहती थी। चेन्नई के इस 12वीं कक्षा के छात्र की तरफ से बुकिंग साइट पर इनसिक्योर डायरेक्ट ऑब्जेक्ट रेफरेंस (आईडीओआर) की मौजूदगी को लेकर चेतावनी जारी करने के बाद आईआरसीटीसी ने उसे सुधार लिया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के आईटी विभाग ने शिकायत मिलने के बाद तत्काल उसका संज्ञान लिया और इस समस्या को दूर कर लिया। अधिकारी ने कहा, यह शिकायत 30 अगस्त को सामने आई थी और इसे 2 सितंबर को ठीक कर लिया गया था। अब हमारा ई-टिकट सिस्टम पूरी तरह से सुरक्षित है। यहां तम्बारम के एक निजी विद्यालय में पढ़नेवाले 12वीं के छात्र पी रेंगानाथम ने

एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के आईटी विभाग ने शिकायत मिलने के बाद तत्काल उसका संज्ञान लिया और इस समस्या को दूर कर लिया। अधिकारी ने कहा, यह शिकायत 30 अगस्त को सामने आई थी और इसे 2 सितंबर को ठीक कर लिया गया था।

बताया कि वह 30 अगस्त को जब टिकट बुक करने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने वेबसाइट पर यह समस्या (आईडीओआर) देखी, जो लाखों यात्रियों के हस्तांतरण का विवरण लीक करता है। यह एक बेहद आम समस्या है। उन्होंने इसके बाद तत्काल इसकी जानकारी इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) को दी। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करनेवाली सीईआरटी-इन को लिखे ईमेल शिकायत में कहा कि इसके जरिए कोई किसी दूसरे का टिकट भी रद्द कर सकता है और संवेदनशील जानकारियां जुटा सकता है।

कोर्ट का समय बर्बाद नहीं होने देने के लिए

झूठे मुकदमों पर रोक लगाने की जरूरत-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। ऐसा मुकदमा आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दे सकती है जो कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं पैदा करता हो। दरअसल, झूठे मुकदमों पर रोक लगाने की जरूरत है ताकि अदालतों का वक्त बर्बाद नहीं हो। जस्टिस एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने अदालतों में दीवानी मुकदमे खारिज करने के मुद्दे से जुड़ी दीवानी दंड संहिता के ऑर्डर सात नियम 11 की व्याख्या पर आर बजोरिया नाम के व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यह कहा। न्यायालय ने कहा कि किसी दीवानी मुकदमे को खारिज करने का एक आधार यह है कि यह कानूनी कार्रवाई की जरूरत नहीं पैदा करता हो। शीर्ष न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की

एक खंडपीठ के फैसले के खिलाफ बाजोरिया की अपील खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

बच्चों के लिए जल्द आ सकती है कोरोना की वैक्सीन

भारत बायोटेक ने टीके के दूसरे-तीसरे चरण का ट्रायल किया पूरा

हैदराबाद। भारत में जल्द ही बच्चों के लिए कोरोना वायरस की वैक्सीन आ सकती है।भारत बायोटेक ने कहा कि कंपनी के 18 साल से कम उम्र के बच्चों पर इस्तेमाल के लिए कोविड रोधी टीके कोवैक्सीन के दूसरे-तीसरे चरण का परीक्षण पूरा हो गया है और अगले हफ्ते तक भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) को आंकड़े सौंपने की उम्मीद है। भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कृष्ण एल्ला ने कहा कि कोवैक्सीन का उत्पादन अक्टूबर में 5.5 करोड़ खुराकों तक पहुंच जाएगा, जो सितंबर में 3.5 करोड़ खुराक है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी के कोविड-19 रोधी इंट्रानैज़ल टीके (नाक से दिया जाने वाला टीका) के दूसरे चरण का परीक्षण अगले महीने तक पूरा होने की उम्मीद है। एल्ला ने कहा, बच्चों के कोवैक्सीन के दूसरे-तीसरे चरण का परीक्षण पूरा हो गया है। आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है। हम अगले हफ्ते तक आंकड़ों को (नियामक को) सौंप देंगे। स्वयंसेवकों की संख्या करीब एक हजार है।

उन्होंने कहा कि इंट्रानैज़ल टीका नाक में ही प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया दे सकता है जो कोरोना वायरस का प्रवेश द्वार है और इस तरह बीमारी, संक्रमण और संचरण से सुरक्षा प्राप्त हो सकती है। एल्ला के मुताबिक, इंट्रानैज़ल टीके का परीक्षण तीन समूहों पर किया जा रहा है, जिनमें से एक समूह को पहली खुराक के तौर पर कोवैक्सीन टीका दिया गया और दूसरी खुराक के तौर पर इंट्रानैज़ल टीका दिया गया है यानी नाक से टीका दिया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह से दूसरे समूह को सिर्फ इंट्रानैज़ल टीका दिया गया है जबकि तीसरे समूह को इंट्रानैज़ल और कोवैक्सीन का टीका 28 दिन के अंतराल पर दिया गया है। एल्ला ने बताया कि परीक्षण 650 स्वयंसेवकों पर किया जाएगा। कोवैक्सीन के उत्पादन स्तर पर एल्ला ने कहा कि हर महीने 10 करोड़ खुराकें बनाना तभी संभव हो पाएगा, जब अन्य विनिर्माण साझेदार सुरक्षा व अन्य मापदंड के साथ तैयार हों। भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन के निर्माण के लिए इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स एंड हेस्टर बायोसाइंसेज के साथ समझौता किया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम हर महीने साढ़े तीन करोड़ खुराकों की आपूर्ति कर रहे हैं। अगले महीने से हम साढ़े पांच करोड़ खुराकों की आपूर्ति करेंगे। बेंगलुरु में उत्पादन तेजी से हो रहा है। अन्य देशों में कोवैक्सीन के निर्यात पर, एल्ला ने कहा कि अगर केंद्र अनुमति देता है, तो कंपनी टीके के निर्यात के लिए तैयार है, हालांकि कंपनी को विदेशी बाजारों के लिए कोई जल्दी नहीं है।

अब 100 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने में जुटी सरकार

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर कोरोना टीकाकरण का विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। इस बार टीकाकरण को 100 करोड़ पार ले जाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अगले 17 दिन में करीब 18 करोड़ आबादी को वैक्सीन देने का लक्ष्य रखा गया है जिसकी तैयारियों में स्वास्थ्य मंत्रालय की एक टीम जुटी हुई है। आगामी सात अक्तूबर तक रिकॉर्ड टीकाकरण के जरिए 100 करोड़ का आंकड़ा पूरा करने के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। सात अक्तूबर 2001 को प्रधानमंत्री ने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। 22 मई 2014 तक उन्होंने गुजरात की कमान संभाली और उसके बाद पहली बार देश के पीएम बने। सूत्रों का कहना है कि इन्हीं दो हफ्तों के दौरान बच्चों का टीकाकरण भी देश में शुरू किया जा सकता है।

टीकाकरण का बना था रिकॉर्ड

बीते 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देश में एक लाख से अधिक केंद्रों पर 2.51 करोड़ से अधिक लोगों ने वैक्सीन लिया था। यह न सिर्फ कोविड बल्कि सभी तरह के टीकाकरण को लेकर सबसे बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड भी है। ऐसा ही रिकॉर्ड टीकाकरण आगामी दिनों में भी दिख सकता है। अभी तक हिमाचल सहित छह राज्यों में पहली खुराक का टीकाकरण 100त हो चुका है।

टीकाकरण 82 करोड़ पार

दूसरी लहर और फिर वैक्सीन आपूर्ति में कमी के चलते टीकाकरण की गति पहले धीमी रही। वहीं पिछले दो महीने में न सिर्फ आपूर्ति बल्कि टीकाकरण में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार रोजाना 50 हजार से अधिक केंद्रों पर टीकाकरण हो रहा है।

अब तक कुल टीकाकरण 82 करोड़ पार हो चुका है। जिनमें 61 करोड़ से अधिक एकल खुराक वाले हैं। 23 करोड़ लोग दूसरी खुराक लेकर टीकाकरण खत्म कर चुके हैं। कुल टीकाकरण सात अक्तूबर तक 100 करोड़ ले जाने पर कार्य किया जा रहा है।

पांच दिन बाद 30 हजार से कम मिले नए संक्रमित

पांच दिन बाद कोरोना संक्रमण के नए मामलों में भारी गिरावट आई है। पिछले एक दिन में 30 हजार से भी कम मामले सामने आए हैं। दैनिक संक्रमण दर में भी गिरावट आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि पिछले एक दिन में 26115 नए मामले सामने आए हैं।

वहीं 252 मरीजों की मौत हुई है और 34469 मरीजों को स्वस्थ घोषित किया गया। इससे पहले 20 सितंबर को 30,256 नए संक्रमित सामने आए थे और 295 लोगों की मौत हो गई थी। अब देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 3,35,04,534 पहुंच गई है। 3,27,49,574 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 4,45,385 मरीजों की मौत हो चुकी है। सक्रिय मामलों की संख्या कम होकर 3,09,575 हो गई है।

सीरम अक्तूबर में टीके की 22 करोड़ डोज केंद्र को देगा

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने केंद्र सरकार को बताया है कि वह अक्तूबर माह में कोविशील्ड टीके की 22 करोड़ डोज देगा। एसआईआई में गर्वमेंट एंड रेगुलेटरी अफेयर्स के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि कंपनी टीके का उत्पादन बढ़ाने में लगी हुई है। अक्तूबर में केंद्र सरकार और निजी अस्पतालों को टीके की कुल 21.90 करोड़ खुराक मुहैया कराई जाएगी।

सीरम ने बताया है कि जनवरी 2021 तक अब तक भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को टीके की कुल 66.33 करोड़ डोज मुहैया कराई जा चुकी है। इसी तरह राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों को 19 सितंबर 2021 तक 7.77 करोड़ डोज दी जा चुकी है।

सार समाचार

पश्चिम बंगाल में दिलीप घोष की जगह सुकांता मजूमदार बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बालुरघाट सीट से लोकसभा सदस्य सुकांता मजूमदार को पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई का नया अध्यक्ष बनाया है। पार्टी में अंदरुनी मतभेद और नेताओं के पाल बदलकर सत्तारूढ तृणमूल कांग्रेस की ओर जाने की पृष्ठभूमि में पार्टी ने दिलीप घोष की जगह मजूमदार को दी है। पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, घोष को भाजपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में घोष का कार्यकाल समाप्त होने में अभी 15 महीने (सवा साल) का वक्त था।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष के रूप में मजूमदार के नाम को लेकर पिछले कुछ महीनों से चर्चा चल रही थी, खास तौर से मार्च-अप्रैल के विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली बुरी हार के बाद चर्चा जोरों पर थी। बॉटनी से पीएचडी 41 वर्षीय मजूमदार के घोष के साथ करीबी संबंध हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मैं यह अवसर देने के लिए पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं। पार्टी पिछले कुछ साल में और मजबूत हुई है। मैं इसकी नींव और मजबूत बनाने पर काम करुंगा।''

महाराष्ट्र: गैर-भाजपा ग्रुप 27 सितंबर को भारत बंद के लिए तैयार

मुंबई। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों, किसान संगठनों, ट्रेड यूनियनों, शिक्षकों, महिलाओं, युवाओं, मजदूरों और अन्य लोगों के लगभग 100 संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) समूह द्वारा बुलाए गए 27 सितंबर के भारत बंद में शामिल होंगे। यह निर्णय एटक राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. भालचंद्र कांगो की अध्यक्षता में सभी समूहों की राज्य स्तरीय बैठक में लिया गया। अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक धवले ने कहा कि सोमवार को यहां लगभग 100 संगठनों के 200 से अधिक नेताओं की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि वक्ताओं ने किसानों के चल रहे संघर्ष, श्रमिकों के मुद्दों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा-आरएसएस शासन की दिवालिया नीतियों के खिलाफ भारत बंद के महत्व पर बातचीत की। बैठक में राज्य और अन्य जगहों के सभी संगठनों से समर्थकों को जुटाने और महाराष्ट्र में भारत बंद को सफल बनाने के लिए सभी से प्रयास करने का आह्वान किया गया। एक प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री जयंत पाटिल, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और राकांपा के वरिष्ठ मंत्री डॉ. जितेंद्र आव्हाड़ से मुलाकात की, जिन्होंने अगले सोमवार की राष्ट्रव्यापी कार्रवाई के लिए महा विकास अघाड़ी दलों के समर्थन का आश्वासन दिया।

कर्नाटक मंदिर विध्वंस: विधानसभा में बीजेपी को विरोध का सामना करना पड़ेगा!

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्तारूढ भाजपा ने विधानसभा में कर्नाटक धार्मिक संरचना (संरक्षण) विधेयक 2021 पेश किया, लेकिन मंगलवार को होने वाले सत्र में मंदिर विध्वंस का मुद्दा हावी रहने की उम्मीद है। मंदिरों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस भाजपा पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है।कांग्रेस बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार पर हमला करती रही है और सिद्धारमैया ने कहा कि यह आपराधिक लूट है। आपराधिक लूट वाक्यांश दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा उस समय की मुद्रास्फीति को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के खिलाफ मुद्रास्फीति पर गढ़ा गया था। बैलगाड़ी और साइकिल यात्रा के साथ सत्र की ऊजार्वान शुरूआत से उत्साहित विपक्ष हिंदुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करने के लिए तैयार हो रहा है। सिद्धारमैया, जिन्होंने नंजनगुड के पास एक मंदिर के विध्वंस का मुद्दा उठाया है, पहले ही सत्तारूढ़ भाजपा को शर्मिंदा कर चुके हैं। विपक्ष यह संदेश देने की भी कोशिश कर रहा है कि बीजेपी ने मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे को लापरवाही से लिया है। मंदिर विध्वंस के मुद्दे पर हर तरफ से गंभीर दबाव में आकर, सत्तारूढ़ भाजपा, जो हिंदुत्ववादी ताकतों के निशाने पर आ गई है, रक्षात्मक मोड पर है और इसलिए एक नया कानून बनाने की कोशिश कर रही है। सोमवार को विधानसभा में पेश किए गए नए विधेयक का उद्देश्य राज्य में बने अनधिकृत पूजा स्थलों की रक्षा करना और सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पृष्ठभूमि में विध्वंस के खतरे का सामना करना है।

झारखंड के 6 आदिवासी छात्रों को ब्रिटेन में पढ़ने के लिए राज्य छात्रवृत्ति मिली

रांची। झारखंड के छह छात्रों को राज्य के छात्रवृत्ति कार्यक्रम के तहत विदेश में मुफ्त उच्च शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्याण मंत्री चंपई सोरेन गुरुवार को रांची में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा छात्रवृत्ति योजना के लाभार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित करेंगे। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों के छात्रों के लिए यूके और आयरलैंड में उच्च अध्ययन करने के लिए शुरू की गई है। छात्रवृत्ति के पुरस्कार विजेता रहने और अन्य विविध खर्चों के साथ-साथ ट्यूशन फीस के पूर्ण कवरेज के हकदार हैं। हर साल अनुसूचित जनजाति से 10 छात्रों का चयन किया जाएगा। छात्रवृत्ति के पहले समूह के लिए 6 छात्रों को चुना गया है, जो सितंबर में ब्रिटेन के 5 विभिन्न विश्वविद्यालयों में अपना अध्ययन कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। चयनित छात्रों में हरक्यूलिस सिंह मुंडा यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज से एमए करने जा रहे हैं। अजितेश मुर्मू यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन से आर्किटेक्चर में एमए करने जा रहे हैं। आकांक्षा मेरी को लॉफबोरो विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और प्रबंधन में एमएससी कार्यक्रम के लिए चुना गया है, जबकि दिनेश भगत ससेक्स विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन, विकास और नीति में एमएससी करेंगे। अंजना प्रतिमा डुंगडुंग को वारविक विश्वविद्यालय में एमएससी के लिए चुना गया है और प्रिया मुर्मू लॉफबोरो विश्वविद्यालय में क्रिएटिव राइटिंग और राइटिंग इंडस्ट्रीज में एमए करेंगी।

मोदी सरकार के पास जम्मू-कश्मीर को लेकर कोई विजन नहीं, महबूबा बोलीं- सिर्फ भाजपा ही हिंदुस्तानी है

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मोदी सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा जम्मू-कश्मीर को तोड़ने का काम कर रही है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं के पास जम्मू-कश्मीर के लिए दूरदृष्टि थी लेकिन यह सरकार हिंदू और मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करती है।

सिर्फ भाजपा ही हिंदुस्तानी है

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मोदी सरकार के पास जम्मू-कश्मीर को लेकर विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग जम्मू-कश्मीर को प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं और यहां प्रयोग कर रहे हैं। नेहरू, वाजपेयी जैसे नेताओं के पास जम्मू-कश्मीर के लिए दूरदृष्टि थी लेकिन यह सरकार हिंदू और मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करती है। सरदार अब खालिस्तानी हैं, हम पाकिस्तानी हैं, सिर्फ भाजपा ही हिंदुस्तानी है।

बेरोजगारी के बारे में नहीं कर रहे बात

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि परिसीमन की कवायद बेतरतीब ढंग से की जा रही है। वे सिर्फ नाम बदल रहे हैं लेकिन नाम बदलने से बच्चों को रोजगार नहीं मिलेगा। वे (केंद्र) तालिबान, अफगानिस्तान के बारे में बात करते हैं लेकिन किसानों और बेरोजगारी के बारे में नहीं।

पीडीपी लड़ेगी आगामी चुनाव

वहीं महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा था कि उनकी पार्टी आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। साथ ही उन्होंने पूर्व सहयोगी भाजपा से किसी भी तरह का गठबंधन करने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा था कि पीडीपी (विधानसभा) चुनाव लड़ेगी। जहां तक गठबंधन का सवाल है तो अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी लेकिन एक बात निश्चित तौर पर स्पष्ट है कि हम उस पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन नहीं करेंगे।

प्रियंका की रैली : यूपी कांग्रेस के दिग्गजों को टाइमिंग पर आपत्ति

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 29 सितंबर से मेरठ में आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपना चुनावी अभियान शुरू करने वाली हैं, ऐसे में पार्टी का एक बड़ा वर्ग रैली के समय पर आपत्ति जता रहा है। कांग्रेस के एक वयोवृद्ध नेता ने कहा, यह पितृ पक्ष अवधि है, जिसे सभी हिंदुओं द्वारा अशुभ माना जाता है, और इस समय चुनाव अभियान शुरू करना निश्चित रूप से एक अच्छा विचार नहीं है। पितृ पक्ष की अवधि 20 सितंबर से शुरू हुई और 6 अक्टूबर को समाप्त होगी। अधिकांश राजनीतिक दल पितृ पक्ष अवधि के दौरान नए अभियान शुरू करने से बच रहे हैं, हालांकि वे पहले के कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रियंका की लिए निर्धारित रैलियां मेरठ (29 सितंबर) से शुरू होंगी, फिर वाराणसी (2 अक्टूबर), आगरा (7 अक्टूबर), गोरखपुर (12 अक्टूबर), आजमगढ़ (17 अक्टूबर) और प्रयागराज (18 अक्टूबर) तक होंगी। कांग्रेस के एक ब्राह्मण नेता ने कहा, सभी हिंदुओं का दृढ़ विश्वास है कि इस अवधि के दौरान कोई नई पहल शुरू नहीं की जानी चाहिए। वास्तव में, लोग इस पखवाड़े में नए कपड़े भी नहीं खरीदते हैं। मुझे नहीं पता कि कौन प्रियंका को सलाह दे रहा है या उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दे रहा है, लेकिन बेहतर होगा कि पितृ पक्ष के बाद रैलियां शुरू हों। कुछ दिनों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

किसान नेता राकेश टिकैत की नई मांग, योगी आदित्यनाथ को बनाया जाए प्रधानमंत्री

लखनऊ। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को सलाह दी कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ''प्रमोशन'' कर उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया जाए।

साथ ही उन्होंने यह दावा किया कि भाजपा को उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 140 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। मंगलवार को यहां समाचार न्यूज-24 चैनल के मंथन-2021 कार्यक्रम में सवालों का जवाब देते हुए टिकैत ने जहां भाजपा भाजपा को चुनाव में 140 से ज्यादा सीटें नहीं मिलने का दावा किया, वहीं यह भी कहा, ''भाजपा का हारा हुआ उम्मीदवार भी जीत का प्रमाण पत्र लेकर जाएगा क्योंकि मुझे ईवीएम पर भरोसा नहीं है।''

किसान नेता नहीं लड़ेंगे चुनाव

तीन नये कृषि कानूनों को लेकर किसानों के आंदोलन के एक प्रमुख नेता टिकैत ने इस बात को जोर देकर कहा कि हम कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। टिकैत ने पूर्व में भूमि अधिग्रहण कानून के विरूद्ध मुहिम चलाने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सराहना भी की।

एक प्रश्न के उत्तर में किसान नेता ने दावा किया कि कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीच में ही अपने पद से हट जाएंगे और वह राष्ट्रपति बनेंगे। उन्होंने यह भी कहा, '' योगी (आदित्यनाथ) जी का प्रमोशन (पदोन्नति) होना चाहिए, वह पीएम (प्रधानमंत्री) बन जाएं।

वोटों का बिखराव कर रहे ओवैसी !

उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 403 सीटों में से भाजपा को 312 और उसे सहयोगी दलों को कुल 13 सीटें मिली थीं। टिकैत ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर विपक्ष के वोटों में बिखराव का आरोप लगाते हुए कहा कि ओवैसी ''पैकेज'' पर हैं और उत्तर प्रदेश में ''विपक्ष के वोटों में बिखराव करने आए हैं।'' गौरतलब है कि मुजफ्फरनगर के राजकीय इंटर कॉलेज में छह सितंबर को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान महापंचायत में टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उ?तर प्रदेश के मुख?यमंत्री आदि?यनाथ को दंगा कराने वाला और बाहरी नेता बताया और किसानों का आह्वान किया था कि इस सरकार (भाजपा) को ''वोट की चोट दो।

आप असली है, भाजपा नीतियों की नकल कर रही है: गोवा में बोले केजरीवाल

पणजी (एजेंसी)।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने पूरी ताकत झोंकनी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी सरकार के योजनाओं की नकल करने का आरोप लगाते हुए आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों को भाजपा के बजाय ओरिजनल आप को चुनना चाहिए, जो केवल अपनी नीतियों की नकल करती है।

केजरीवाल ने उत्तरी गोवा के मापुसा शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि गोवा में पानी मुफ्त मिलेगा। मैं बहुत खुश था। हमने इसे चार साल पहले दिल्ली में किया था। मैंने सुना है कि उन्होंने सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी शुरू कर दी है। हमने इसे तीन साल पहले दिल्ली में शुरू किया था। केजरीवाल ने कहा, मेरा मानना है कि दिल्ली में जो कुछ भी हो रहा है, वह (सावंत) गोवा में उनकी नकल कर रहे हैं। जब असली मौजूद है, तो आपको डुप्लिकेट की आवश्यकता क्यों है? जब गोवा के लोग ओरिजनल के लिए वोट कर सकते हैं, तो आपको डुप्लिकेट की आवश्यकता क्यों है। डुप्लीकेट व्यक्ति गड़बड़ (भ्रम) करेगा। गोवा में आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के बीच पिछले कुछ महीनों में राज्य विधानसभा चुनावों से पहले जुबानी जंग और चुनाव से पहले घोषणाओं में लगे हुए हैं। आप द्वारा राज्य में घरेलू घरों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा के बाद, भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने हर घर में 16,000 लीटर मुफ्त पानी देने की घोषणा की है।आप ने मंगलवार को डोमिसाइल वाले गोवावासियों के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा किया और बेरोजगार युवाओं और परिवारों को 3,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की राशि आवंटित करने का भी वादा किया है।

मण्डलायुक्त ने नैनी में बन रहे इलेक्ट्रानिक बसों के चार्जिंग स्थल का किया स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, सूरत भूमि, प्रयागराज।

मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल मंगलवार को नैनी में बन रहे इलेक्ट्रानिक बसों के चार्जिंग स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। स्थलीय निरीक्षण में कार्य की प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था सीएनडीएस तथा पीएमआई को श्रमिकों तथा अन्य संसाधनों की संख्या बढ़ाते हुए कार्यों में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया है साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा है कि जब तक कार्य की प्रगति संतोष जनक न पायी जाये तब तक सम्बंधित ठेकेदार के पैसे का भुगतान न किया जाये। उन्होंने दोनों कार्यदायी संस्थाओं को समय सारिणी बनाकर उसी के अनुसार कार्य कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इण्टर लाकिंग, पार्किंग, पानी निकासी, लेवलिंग तथा अन्य कार्यों को श्रमिकों की संख्या को बढ़ाते हुए शीघ्रता से कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने विद्युत ट्रांसफार्मरों की भी जांच कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने दोनों कार्यदायी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को वहां पर स्वयं रहते हुए कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर आरएम रोडवेज तथा सीएनडीएस एवं पीएमवाई कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारीगण, स्मार्ट सिटी के अधिकारीगण के अलावा अन्य लोग सम्बंधित रहे।

पहले हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता नहीं लगता था कि राशन कहां गया: योगी आदित्यनाथ

जौनपुर/गाजीपुर (उप्र)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब्बाजान कहने वालों पर राशन हड़पने का आरोप लगाने के बाद सोमवार को कहा कि क्या सपा सरकार में राशन मिलता था, सपा सरकार से पहले बहन जी (मायावती) की सरकार में तो हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता ही नहीं लगता था कि जनता का राशन कहां जा रहा है। जौनपुर में मुख?यमंत्री ने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद मुंगराबादशाहपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि क्या सपा सरकार में आपको राशन मिलता था, सपा सरकार से पहले बहन जी (मायावती) की सरकार में तो हाथी का पेट इतना बड़ा था कि पता ही नहीं लगता था कि जनता का राशन कहां जा रहा है।

गौरतलब है कि गत 12 सितंबर को कुशीनगर की एक जनसभा में योगी ने कहा था, अब्बा जान कहने वाले गरीबों की नौकरी पर डकैती डाल देते थे। पूरा परिवार झोला लेकर वसूली के लिए निकल पड़ता था, अब्बाजान कहने वाले राशन हजम कर जाते थे और राशन नेपाल व बांग्लादेश पहुंच जाता था लेकिन आज जो गरीबों का राशन निगलेगा वह जेल चला जाएगा। योगी के इस बयान के बाद विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। भाजपा के आधिकारिक ट्विटर हैंडल के अनुसार जौनपुर की सभा में योगी ने कहा, पहले न दुर्गा पूजा होती थी, न रामलीला का आयोजन होने दिया जाता था, न यज्ञ होने दिया जाता था और ऐसा लगता था कि मारीचतथा सुबाहु (मारीच का भाई)इन्हीं (विपक्षी दलों) के यहां पैदा हो गए हैं। उन्होंने कहा, पहले कोरोना नहीं था तो भी सरकारें यज्ञ और दुर्गा पूजा नहीं होने देती थीं, लेकिन इस बार दुर्गा पूजा की अनुमति दी जाएगी। योगी ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कार्य क्या सपा करती, क्या बसपा करती, क्या आप कांग्रेस से उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, पहले मुख?यमंत्री होते ही मैं और मेरा खानदान, उससे बाहर कोई नहीं निकलता था, जब प्रदेश के लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में होते थे, तब सैफई का परिवार सैफई में बड़ी-बड़ी हस्तियों को बुलाकर नाच-गाने का कार्यक्रम करता था, तब प्रदेश की जनता दिखाई नहीं देती थी। योगी ने कहा, देश महत्वपूर्ण होता है और उसकी सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण है, ध्यान रखिए कांग्रेस के लोग भी आपके पास आएंगे और बड़ी-बड़ी घोषणाएं करेंगे, लेकिन याद रखिए चीन जब देश के अंदर घुसपैठ करता था तो यही लोग कहते थे कि चुप हो जाओ, चीन के खिलाफ कुछ बोलना मत।

कुंडली का बहाना देकर शादी के वादे से मुकरने वालों की खैर नहीं! अदालत ने जारी किया फरमान

मुंबई। (एजेंसी)।

बंबई उच्च न्यायालय ने 32 वर्षीय एक व्यक्ति को बलात्कार और धोखाधड़ी के मामले आरोप मुक्त करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसने शिकायतकर्ता महिला, जिसके साथ उसका संबंध था, से शादी करने के अपने वादे से मुकरने के लिए कुंडली की ज्योतिषीय असंगति का इस्तेमाल बहाने के तौर पर किया था। न्यायमूर्ति एस के शिंदे की एकल पीठ ने सोमवार को अभिषेक मित्रा की याचिका खारिज कर दी। इस याचिका में महिला की शिकायत के आधार पर उपनगरीय बोरीवली पुलिस द्वारा उसके खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी और बलात्कार के मामले से आरोप मुक्त करने का अनुरोध किया गया था। इस फैसले का विवरण मंगलवार को उपलब्ध कराया गया।

त्रा के वकील राजा ठाकरे ने तर्क दिया था कि ज्योतिषीय असंगति के कारण आरोपी और शिकायतकर्ता के बीच संबंधों को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। उन्होंने तर्क दिया कि यह शादी के झूठे बहाने धोखाधड़ी और बलात्कार का मामला नहीं है बल्कि वादे के उल्लंघन का मामला है। न्यायमूर्ति शिंदे ने, हालांकि, इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि इस बात से पता चलता है कि शुरुआत से ही आरोपी का शिकायतकर्ता से शादी करने के अपने वादे को कायम रखने का कोई इरादा नहीं था। पीठ ने कहा, ÷यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता (मित्रा) ने कुंडली की ज्योतिषीय असंगति की आड़ में, विवाह के वादे को निभाने से इनकार किया।

इस प्रकार, मुझे पूरी तरह से लगता है कि यह शादी करने के झूठे वादे का मामला है जो स्पष्ट रूप से शिकायतकर्ता की सहमति का उल्लंघन करता है। मामले के विवरण के अनुसार, आरोपी और शिकायतकर्ता 2012 से एक-दूसरे को जानते थे, जब वे एक पांच सितारा होटल में काम कर रहे थे और एक संबंध में थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कई मौकों पर आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

सार समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने लीबिया की संसद से चुनाव की तैयारियों पर ध्यान देने का आह्वान किया

त्रिपोली। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने लीबिया के प्रतिनिधि सभा (एचओआर) (संसद) से आगामी चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएनएसएमआईएल ने एक बयान में कहा कि उन्हें एक रिपोर्ट मिली है कि एचओआर ने राष्ट्रीय एकता सरकार (जीएनयू) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया है। एक बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र मिशन उम्मीद करता है कि एचओआर के प्रयास संसदीय चुनाव कानून को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे और एचओआर का नेतृत्व उभरते चुनावी विधायी ढांचे पर व्यापक सहमति बनाने के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। यूएनएसएमआईएल ने संसद से अगले सप्ताह संसदीय चुनाव कानून पर काम पूरा करने का अनुरोध किया। संसद ने मंगलवार को जीएनयू से विश्वास वापस लेने और इसे कार्यवाहक सरकार के रूप में रखने की घोषणा की। मिशन पुष्टि करता है कि वर्तमान जीएनयू तब तक वैध सरकार बनी हुई है जब तक कि चुनावों के बाद नियमित प्रक्रिया के माध्यम से इसे दूसरी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है। इसका ध्यान देश को 24 दिसंबर, 2021 को संसदीय और राष्ट्रपति चुनावों की ओर लाना और लोगों के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करना है। 8 सितंबर को, संसद ने वित्तीय और प्रशासनिक उल्लंघनों पर प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबीबाह से सवाल करने के लिए एक सत्र आयोजित किया, जिसे दबीबाह ने इनकार कर दिया क्योंकि उनकी सरकार का बजट संसद द्वारा अनुमोदित नहीं था।

मैं डोनाल्ड ट्रंप नहीं हूं: बाइडेन ने यूएनजीए को दिया आश्वासन

युक्त राष्ट्र। ऐसा नहीं था कि जो बाइडेन ने अमेरिका फर्स्ट के समय-परीक्षणित तख्ती को एकमुश्त खाली कर दिया। 1600 पेंसिल्वेनिया एवेन्यू का कोई निवासी ऐसा नहीं कर सकता। लेकिन इसका दोष उन्हें और कमला हैरिस को काबुल से उनके बुरे निकास और पेरिस से अपने अधिकार के लिए सामने की चुनौती पर मिला, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के पहले भाषण में बहुपक्षवाद था। वह डोनाल्ड ट्रम्प की तरह नहीं है। लेकिन बाइडेन ने मंगलवार को ऐसा कुछ कहा कि लगा जैसे वे उनके बड़े भाई हों। ट्रम्प ने एंथोनी फौसी और विज्ञान का तिरस्कार किया, महामारी को गंभीर तरीके से नहीं लिया, तो वहीं बाइडेन काफी हद तक सजग थे कि कैसे कोविड -19 ने दुनिया और अमेरिका को हमेशा के लिए बदल दिया था। यदि ट्रम्प ने अंतत- विश्व स्वास्थ्य संगठन पर निराशा व्यक्त की और यहां तक कि अमेरिका को बाहर निकालने की धमकी दी, तो बाइडेन ने यूएनजीए को डब्ल्यूएचओ और वुहान में शी की घातक प्रयोगशाला में बुनाई के लिए समय और स्थान के उस रूप में नहीं देखा, जिसमें चमगादड़ और उनके संचालकों को अतीत के युद्धों के लिए भेजा गया था। इसके केंद्र में गरीबी, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन थे। अमेरिकी तरीके से व्यापक ब्रशिंग और विकासशील दुनिया के लिए तांडव नहीं, बल्कि सीमाओं के बिना इन युद्धों को लड़ने के लिए मेज पर असली डॉलर डालने का वादा किया गया।

चीन द्वारा घोषित जलवायु कार्रवाई से प्रोत्साहित हैं गुटेरेस

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 21 सितंबर को एक बयान जारी कर कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र की आम महासभा में चीन और अमेरिका के नेताओं द्वारा घोषित जलवायु प्रतिबद्धताओं से प्रोत्साहित हैं। गुटेरेस ने कहा कि वे राष्ट्रपति शी चिनफिंग की घोषणा का स्वागत करते हैं कि चीन विकासशील देशों में हरित और निम्न-कार्बन ऊर्जा के विकास का भारी समर्थन करेगा और नए विदेशी कोयले से चलने वाली बिजली परियोजनाओं का निर्माण नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में कोयले के हटाये जाने को तेज करना पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि वे वार्षिक जलवायु संबंधी वित्तपोषण को बढ़ाने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। गुटेरेस ने याद दिलाया कि उसी दिन दुनिया की सबसे बड़ी दो अर्थव्यवस्थाओं द्वारा की गई घोषणाओं का बहुत-बहुत स्वागत है, लेकिन दुनिया को अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने सभी देशों, विशेष रूप से जी-20 से निर्णायक रूप से कार्य करने और उत्सर्जन को कम करने में प्रभावी योगदान देने के लिए और प्रयास करने का आह्वान किया।

अफगानिस्तान से अमेरिका के हटने के बाद क्वाड समिट का बदला माहौल

न्यूयॉर्क। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधान मंत्री योशीहिदे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट मॉरिसन के साथ व्यक्तिगत रूप से शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। मोदी बाइडन के साथ पहली बार जटिलताओं के एक नए सेट के साथ दुनिया का सामना करेंगे। अफगानिस्तान से अमेरिका की अराजक वापसी ने तालिबान को अपनाने के कारण चीन को बढ़त देने वाले क्षेत्र में गतिशीलता को बदल दिया है, जबकि सहयोगियों के लिए अमेरिका पर उनकी निर्भरता के बारे में संदेह पैदा किया है। पूर्व ब्रिटिश प्रधान मंत्री टेरेसा मे ने संसद में पूछा कि नाटो के बारे में उनका क्या कहना है, क्या हम पूरी तरह से अमेरिका के एकतरफा फैसले पर निर्भर हैं?

यूरोपीय संघ (ईयू) भी इंडो-पैसिफिक में अपनी भागीदारी बढ़ा रहा है, लेकिन अमेरिका से स्वतंत्र है। लेकिन बाइडेन ने अपनी प्राथमिकताओं को इंडो-पैसिफिक में स्थानांतरित कर दिया है जहां चीन के साथ सीधा टकराव बढ़ रहा है और वास्तव में, उन्होंने अफगानिस्तान से बाहर निकलने के लिए एक तर्क के रूप में इसका हवाला दिया।

वह सिर्फ सुरक्षा मामलों से परे क्वाड की भूमिका का विस्तार करने के रास्ते पर जारी है, एक लक्ष्य जो नेताओं ने मार्च में एक आभासी शिखर सम्मेलन में निर्धारित किया था।

कोविड-19 के नये मामलों की संख्या लगातार घटना पिछले हफ्ते भी जारी रहा: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कोविड-19 के नये मामलों में लगातार पिछले हफ्ते भी कमी आई और विश्व में 36 लाख नये मामले सामने आए, जबकि इससे पहले के हफ्ते में संक्रमण के 40 लाख नये मामले सामने आए थे। पिछले हफ्ते मामलों में आई कमी दो महीने से अधिक समय में पहली बार सर्वाधिक कमी थी। विश्व के हर क्षेत्र में मामलों में कमी आई थी। महामारी से जुड़ी विज्ञप्ति में मंगलवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि दो क्षेत्रों में संक्रमण के नये मामलों बड़ी कमी दर्ज की गई- पश्चिम एशिया में 22 प्रतिशत कमी हुई और दक्षिण पूर्व एशिया में 16 प्रतिशत कमी आई।

संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि पिछले हफ्ते कोविड-19 से सात प्रतिशत कम मौतें हुई और यह संख्या 60,000 से कम रही। दक्षिण पूर्व एशिया में कोविड से मौत में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में सात प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के ज्यादातर नये मामले अमेरिका, भारत, ब्रिटेन, तुर्की और फिलीपीन में सामने आए। स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि तेजी से फैलने वाला वायरस का डेल्टा स्वरूप अब 185 देशों में पाया जा रहा है और यह विश्व के प्रत्येक हिस्से में है।

अफगानिस्तान में तालिबानी राज से भारत को खतरा, भारी मात्रा में हेरोइन की हो रही तस्करी, एजेंसियां हुईं सतर्क

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार के गठन के साथ ही एक बार फिर से ड्रग्स का व्यापार करने वालो को बल मिला है। इसी बीच सुरक्षा और तस्करी रोधी एजेंसियों के अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में गुजरात के बंदरगाह से जब्त की गई दो कंटेनर हेरोइन के बाद से सुरक्षा और तस्करी रोधी एजेंसियां और भी ज्यादा सतर्क हो गई हैं।

अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' के मुताबिक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन भेजने की कोशिशें की जा रही हैं।

हेरोइन की हो रही तस्करी

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान में सरकार चलाने के लिए तालिबान को पैसों की आवश्यकता है। ऐसे में वह ड्रग्स के व्यापार को बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। वहीं एजेंसियों ने चिंता जताई है कि तालिबान ड्रग्स के व्यापार के लिए जबरदस्ती भारत में घुसपैठ करने की कोशिशें करेगा। यह किसी के छिपा नहीं है कि ड्रग्स के जरिए ही तालिबान ने अपनी ताकत में इजाफा किया है। पिछली बार की तुलना में अत्याधुनिक हथियार जुटाए हैं।

पकड़ी गई थी 3,000 किलो हेरोइन

एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि भारतीय जलक्षेत्र में हेरोइन से भरे जहाजों के पकड़े जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। एनसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बतायाई कि डीआरआई को मुंद्रा बंदरगाह से करीब 3,000 किलो हेरोइन मिली। जिसकी जांच चल रही है। हेरोइन की तस्करी अफगानिस्तान से की गई थी, जो अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक है। देश में अफीम से हेरोइन बनाने के लिए प्रयोगशालाएं हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साल 2019 में अफगानिस्तान में अफीम की कटाई ने लगभग 12,000 लोगों को नौकरियां दी थी। यह भी माना जाता है कि तालिबान के सालाना राजस्व में तकरीबन 60 फीसदी तक योगदान नशीली दवाओं के व्यापार से होता है।

एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र के भाषण में फिर किया कश्मीर का जिक्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने फिर से संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया है, लेकिन उनका बयान पिछले दो वर्षों की तुलना में हल्का था।

उन्होंने मंगलवार को महासभा के शिखर सम्मेलन में अपने भाषण में कहा, हम पार्टियों के बीच बातचीत के माध्यम से और प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के ढांचे के भीतर 74 वर्षों से कश्मीर में चल रही समस्या को हल करने के पक्ष में खड़े हैं। लेकिन पिछले साल उन्होंने कश्मीर की स्थिति को एक ज्वलंत मुद्दा बताया था और कश्मीर के लिए विशेष दर्जे को समाप्त करने की आलोचना की थी।

एर्दोगन ने भारतीय केंद्र शासित प्रदेश का जिक्र करते 2019 में कहा था कि स्वीकृत प्रस्तावों के बावजूद, कश्मीर अभी भी घिरा हुआ है और आठ मिलियन लोग कश्मीर में फंस गए हैं। उस वर्ष महातिर मोहम्मद, जो उस समय मलेशिया के प्रधानमंत्री थे, कश्मीर को लाने में एर्दोगन के साथ शामिल हुए। उन्होंने एक उग्र बयान में कहा कि भारत ने कश्मीर पर आक्रमण किया और कब्जा कर लिया।

लेकिन पिछले साल सरकार बदलने के साथ मलेशिया कश्मीर को नहीं लाया।

2019 में एर्दोगन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुर्की की एक निर्धारित यात्रा रद्द कर दी थी।

भारत का कहना है कि 1972 के शिमला समझौते के तहत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो, जो उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे, के बीच कश्मीर एक द्विपक्षीय मामला है और इसका अंतर्राष्ट्रीयकरण नहीं किया जाना चाहिए। मंगलवार को अपने भाषण में, एर्दोगन ने चीन में उइगर मुस्लिम अल्पसंख्यक के सामने आने वाली समस्याओं का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, चीन की क्षेत्रीय अखंडता के परिप्रेक्ष्य में, हम मानते हैं कि मुस्लिम उइगर तुर्कों के मूल अधिकारों के संबंध में और अधिक प्रयास प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। उइगर अल्पसंख्यक के सदस्यों को शिविरों में रखा जा रहा है और चीन के बहुमत से अभिभूत उनके धर्म और उनकी संस्कृति और भाषा का अभ्यास करने पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्वी अफगानिस्तान में हमलावरों ने तालिबान को निशाना बनाया, पांच की मौत

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में बुधवार को तालिबान के वाहनों पर किये गये हमलों में कम से कम दो लड़ाकों एवं तीन आम नागरिकों की मौत हो गयी। पिछले महीने अफगानिस्तान पर तालिबान के काबिज होने के बाद यह हिंसा की नवीनतम घटना है। चश्मदीदों ने बताया कि प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में एक स्थानीय गैस स्टेशन पर खड़े तालिबान के वाहन पर बंदूकधारियों ने गोलियां चलायीं जिससे दो लड़ाकों एवं गैस स्टेशन परिचारक की मौत हो गयी।

उन्होंने बताया कि एक बच्चा भी मारा गया। एक अन्य हमले में वाहन को बम से निशाना बनाने पर एक अन्य बच्चे की मौत हो गयी एवं दो तालिबान लड़ाके घायल हो गये। जलालाबाद में ही तालिबान के वाहन पर एक और बम हमला किया गया जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह व्यक्ति तालिबान का पदाधिकारी है या नहीं। फिलहाल इन हमलों की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। वैसे पिछले हफ्ते ऐसे ही हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। तालिबान एवं इस्लामिक स्टेट एक दूसरे के कट्टर विरोधी हैं।

ट्रैवल अडवाइजरी में ब्रिटेन ने किया बदलाव, कोविशील्ड को माना स्वीकृत वैक्सीन

ब्रिटेन (एजेंसी)।

भारत सरकार के सख्त रुख के बाद कोविशील्ड को मान्यता देने को लेकर ब्रिटेन ने अपने ट्रैवल अडवाइजरी में बदलाव किया है। अपनी संशोधित यात्रा सलाह में, ब्रिटेन सरकार का कहना है कि कोविशील्ड एक स्वीकृत वैक्सीन के रूप में योग्य है। आपको बता दें कि भारत ने ब्रिटेन के समक्ष इसको लेकर सख्त रुख अपनाया था। यात्रियों के संबंध में ब्रिटेन की नयी कोविड-19 टीका नीति के संबंध में भारत की चिंताओं का समाधान नहीं किए जाने की स्थिति में विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा था कि कि ऐसी स्थिति में ''उसी तरह के कदम उठाए जा सकते हैं।'' श्रृंगला ने ब्रिटेन की इस नीति को भेदभावपूर्ण बताया।

इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोविशील्ड टीका लगवाने वालों के संबंध में देश की चिंताओं से ब्रिटेन की नवनियुक्त विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रस को न्यूयॉर्क में हुई बैठक में अवगत कराया था। दरअसल, ब्रिटेन के नये यात्रा नियम के अनुसार, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाए गए कोविशील्ड टीके की दोनों खुराक लेने वाले लोगों के टीकाकरण को मान्यता नहीं दी जाएगी और ब्रिटेन पहुंचने पर उन्हें 10 दिनों के पृथक-वास में रहने की जरुरत होगी। इसी को लेकर श्रृंगला ने कहा था कि यहां मुख्य मुद्दा यह है कि, एक टीका है कोविशील्ड, जो ब्रिटिश कंपनी का लाइसेंसी उत्पाद है, जिसका उत्पादन भारत में होता है और ब्रिटिश सरकार के अनुरोध पर हमने ब्रिटेन को इसकी 50 लाख खुराक भेजी है।

पाकिस्तान में लोग महंगाई से बेहाल, स्थिति पर काबू पाने के बजाय अफगानिस्तान पर ध्यान केंद्रित कर रहा देश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर ध्यान केंद्रित करने वाला पाकिस्तान अपने देश में उच्च मुद्रास्फीति दर (लगातार बढ़ रही महंगाई) से जूझ रहा है।

हालांकि अप्रैल और मई में दहाई अंक के आंकड़ों को छूने के बाद, जुलाई और अगस्त में मुद्रास्फीति दर कम हुई है- मुद्रास्फीति की दर अब 8.4 प्रतिशत पर स्थिर हुई है। इमरान खान सरकार के लिए चिंता का विषय खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमत है। उच्च खाद्य कीमतें देश के गरीबों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं। अप्रैल और मई में मुद्रास्फीति की दर क्रमश- 11.1 फीसदी और 10.87 फीसदी पर पहुंच गई थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मुख्य मुद्रास्फीति - खाद्य और ऊर्जा वस्तुओं को छोड़कर - अगस्त में शहरी क्षेत्रों में धीमी होकर 6.3 प्रतिशत हो गई, खाद्य कीमतों में एक साल पहले इसी महीने की तुलना में लगभग दो अंकों की वृद्धि देखी गई थी। गल्फ न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान सरकार के सामने विभिन्न चुनौतियों के बीच, जीवनयापन के लिए जरूर वस्तुओं की बढ़ती लागत, दैनिक उपयोग की बढ़ी हुई कीमतों और आधिकारिक मुद्रास्फीति आकलन है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार महंगाई से पार पाने में असफल रही है और देश में लगातार खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य जरूरों सामानों की कीमत बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी नोट किया गया है कि समस्या का एक हिस्सा जमाखोरी और मुनाफाखोरी से संबंधित है। रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में कृत्रिम कमी के कारण जनता को उन सामानों का पीछा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो अचानक काउंटर से बाहर हो जाते हैं और भारी मूल्य टैग के साथ फिर से प्रकट होते हैं। यह समस्या जमाखोरी का कारण उत्पन्न होती है। इससे भी बुरी बात यह है कि पाकिस्तान में मुद्रास्फीति की दर कोविड-19 महामारी की चपेट में आने से पहले से ही बढ़ रही है। पिछले साल जनवरी में - महामारी के प्रकोप से पहले - पाकिस्तान की मुद्रास्फीति दर बढ़कर 14.6 प्रतिशत हो गई थी। वित्तीय वर्ष 2019-20 में मुद्रास्फीति की दर 10.7 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो दुनिया में सबसे अधिक दर्ज की गई थी, जिससे खान को बहुत शर्मिंदगी उठानी पड़ी, जिन्होंने 2018 में राष्ट्र के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला था। एक भू-राजनीतिक विशेषज्ञ ने इंडिया नैरेटिव को बताया, पाकिस्तान एक ऐसा देश है, जिसके पास शासन करने का कौशल बहुत कम है। यह खुद तो शासन करने में कामयाब नहीं हो पा रहा है, लेकिन अब यह अफगानिस्तान और क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

प्रोटोकॉल के मुताबिक वाशिंगटन में कमला हैरिस करेंगी मोदी की मेजबानी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरह राज्य के प्रमुख नहीं हैं, लेकिन सरकार के प्रमुख हैं, इसलिए प्रोटोकॉल के तहत उनके समकक्ष उपराष्ट्रपति कमला हैरिस हैं, जो आंशिक रूप से भारतीय मूल की हैं। वह उनकी औपचारिक मेजबान होंगी।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को उनसे मुलाकात करेंगे। 2019 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की आलोचना करने के बाद हैरिस के मोदी के प्रशासन के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, क्योंकि उन्होंने सदन के प्रतिनिधियों की भारतीय मूल की सदस्य प्रमिला जयपाल की विदेश मामलों की समिति से मिलने से इनकार कर दिया था। जयपाल ने कश्मीर को लेकर भारत की आलोचना करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया था। किसी भी विदेशी सरकार के लिए कांग्रेस को यह बताना गलत है कि कैपिटल हिल पर बैठकों में किन सदस्यों की अनुमति है हैरिस ने उस समय कहा था कि जैसे कि किसी भारतीय मंत्री को यह तय करने का अधिकार नहीं होना चाहिए कि वह किससे मिलना चाहता है और किससे नहीं। उपराष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने भारत की आलोचना से परहेज किया है, लेकिन उनकी भतीजी मीना हैरिस ने किसानों के आंदोलन का समर्थन किया है और भारत सरकार पर हमला किया है।

हालाँकि, हैरिस ने उपराष्ट्रपति बनने के तुरंत बाद कई विश्व नेताओं से बात की थी, उन्होंने जून में ही मोदी के साथ फोन पर बातचीत की, जब उन्होंने बाइडेन के अमेरिकी भंडार से भारत को टीके भेजने की पेशकश पर चर्चा की थी। हो सकता है कि कोई गलतफहमी भी ठीक हो गई हो, जिसके बाद मोदी ने ट्वीट किया, मैं ग्लोबल वैक्सीन शेयरिंग के लिए अमेरिकी रणनीति के हिस्से के रूप में भारत को वैक्सीन की आपूर्ति के आश्वासन की गहराई से सराहना करता हूं। मैंने उन्हें अमेरिकी सरकार, व्यवसायों और भारतीय प्रवासियों से सभी समर्थन और एकजुटता के लिए धन्यवाद दिया। 2016 में जब मोदी ने वाशिंगटन का दौरा किया, तो बाइडेन उनके औपचारिक मेजबान थे।

संपादकीय

तालिबान में तकरार

अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी से जुड़ी जितनी भी आशंकाएं जताई गई थीं, वे सब सही साबित हो रही हैं। खबरों के मुताबिक, अंतरिम सरकार में उप-प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर और सरकार में शामिल हक्कानी नेटवर्क के बीच गहरे मतभेद उभर आए हैं। कहा तो यह तक जा रहा कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई और गोलियां चलीं, जिनसे कुछ लोग जख्मी हुए। अब पश्चिमी मीडिया की खबरें संकेत दे रही हैं कि हक्कानी गुट ने बरादर को अगवा कर लिया है। सब जानते हैं कि कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका-तालिबान वार्ता में तालिबान का प्रतिनिधित्व अब्दुल गनी बरादर कर रहे थे और दोनों के बीच हुए करार में तालिबान ने एक ऐसी समावेशी सरकार पर हामी भरी थी, जिसमें अफगानिस्तान के सभी जातीय समूहों, तबकों और क्षेत्रों की नुमाइंदगी होगी। पर हक्कानी नेटवर्क अब आईएसआई के इशारे पर पाकिस्तान विरोधी तत्वों को सत्ता में प्रभावी होने से रोकने में जुटा है। विडंबना यह है कि इस संभावित हालात से अमेरिका व नाटो समेत पूरी दुनिया वाकिफ थी, फिर भी तालिबान और उसके मददगार देशों-संगठनों पर वह कोई दबाव नहीं बना सकी। बहरहाल, जिस समय पश्चिमी मीडिया में बरादर के अगवा होने का अंदेशा जताया जा रहा था, लगभग उसी वक्त तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कुछ जातीय समुदायों के नए मंत्रियों के नामों की घोषणा की है, जिनमें एक भी महिला का नाम शामिल नहीं है। मुजाहिद ने फिर वही पुराना राग दोहरा दिया कि औरतों को सरकार में शामिल करने के मसले पर विचार हो रहा है। छूट गए समूहों की नुमाइंदगी के लिए मंत्रिमंडल के अगले विस्तार में औरतों को शामिल किया जा सकता है। साफ है, तालिबान अपनी पुरातन सोच से डिगने को तैयार नहीं है और अफगानिस्तान की स्थितियां लगातार गहन अराजकता की ओर बढ़ रही हैं। तालिबान सरकार के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब आईएसआई की रोज-रोज की मुदालखत से बेजार हो गए हैं, तो अब्दुल गनी बरादर को समावेशी सरकार के वादे को लागू कराने के लिए अपने ही संगठन के लोगों से लड़ना पड़ रहा है। बरादर अपेक्षाकृत उदार माने जाते हैं और वह अच्छी तरह जानते हैं कि तालिबान हुकूमत की वैश्विक मान्यता इसी बात पर निर्भर है कि वह कितनी तेजी से मुल्क में व्यवस्था कायम करती है और अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तें लागू करती है। आम अफगानों की जिंदगी दिनोंदिन बदहाल हो रही है और दुनिया के देश चाहकर भी उनकी मदद करने में खुद को असमर्थ पा रहे हैं। यह स्थिति इस पूरे क्षेत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। अब जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक शुरू हो चुकी है, तब दुनिया को इस मसले पर पूरी गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि अराजक अफगानिस्तान आतंकियों का फिर से अड्डा न बन सके, बल्कि हक्कानी नेटवर्क जैसे आतंकी संगठनों के पर कतरने के लिए इस्लामाबाद पर शिकंजा कसे जाने की जरूरत है। अगर अफगानिस्तान में तालिबानी समूह आपस में उलझते गए, तो उनके संघर्ष का खामियाजा स्थानीय नागरिकों को तो भुगतना पड़ेगा ही, पड़ोसी देशों की भी सिरदर्दी बढ़ती जाएगी, खासकर भारत जैसे देशों को इसके मद्देजनर अतिरिक्त सुरक्षा व्यय करने पड़ेंगे।

'आज के ट्वीट

सहयोग

26 सितंबर को आयोजित होने वाली रीट परीक्षा में 16.51 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह प्रदेश की अभी तक की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। प्रदेश सरकार ने अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज में निशुल्क यात्रा का इंतजाम किया है। अभ्यर्थियों की संख्या काफी अधिक है ऐसे में सभी के सहयोग की जरूरत है।

-- मु. अशोक गहलोत

शरियत कानून और मुस्लिम महिलाओ की चिंताजनक स्थिति??

आखिरकार अफगानिस्तान में तालिबान के द्वारा सरकार बनाते ही शरियत कानून लागू कर दिया ?महिलाओ के लाख विरोध करने के बाद भी ,महिलाओ से सारे हक छिन लिए गए?महिलाओ को घर पर रहने का फरमान जारी हो गया। महिलाएं विशेष परिस्थित में काम कर सकती है? वो भी वैसी जगह जहाँ पुरुष अलग और महिलाएं अलग-अलग रहकर काम करते है? शिक्षण संस्थान में भी छात्र छात्राओ को अलग-अलग बैठकर शिक्षा ग्रहण करने का फरमान जारी हुआ ।महिलाएं घर पर ही रहे ,क्योंकि शरियत कानून महिलाओ को मूर्ख समझता हैं??

अफगानिस्तान में तालिबान का जैसे ही कब्जा हुआ वैसे ही अफगानिस्तान की महिलाएं ही नही , बल्कि पूरे विश्व की मुस्लिम महिलाएं अफगानिस्तान की स्त्रियों को लेकर चिंतित हो उठी। क्योंकि , बीस साल पहले तालिबान के शासन काल में , अफगानिस्तान की स्त्रियों की जो दशा थी वह निश्चिंत ही निंदनीय थी।

एक महीना हो गया अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हुए , तालिबान के इस कब्जे से सबसे ज्यादा महिलाए परेशान हो गयी ।महिलाओ को दोबारा वही सब झेलना पड़ रहा है, जो बीस साल पहले झेलनी पड़ती थी।

क्योंकि , महिलाओ के लिए तालिबान का शासन बहुत क्रूर और अपमानजनक रहा है ।

तालिबान के कब्जे के साथ ही अफगानिस्तान में हिजाब की बिक्री बढ़ गई है ,क्योंकि शरिया कानून महिलाओं को बुर्के में देखना पसंद करता है? घर के अंदर देखना पसंद करता है,? क्योंकि मुस्लिम शासन व्यवस्था में महिलाए घर के सामान की तरह होती है ,जैसे जी चाहा इस्तेमाल करो?जिस कानून को मुस्लिम महिलाओ पर कठोरता से लागू किया जाता है उसका आधार ही निराधार है।

जिस शरियत कानून को महिलाओं पर कठोरता से लागू किया जाता है ,उसका कोई ठोस आधार ही नहीं है, ना ही कोई लिखित कानून है ।

मोहम्मद साहब ने इस्लाम धर्म की स्थापना की और उनके मुरीद इस्लाम को बदनाम करने के लिए शरीयत कानून को बना डाला?

शरिया कानून कुरान और हदीज पर आधारित है। कुरान में सिर्फ महिलाओ के लिए हिजाब का जिक्र है, वह भी सांस्कृतिक विभिन्नता के लिए ,महिलाओ की सुरक्षा के लिए।

कुरान के मुताबिक औरतें पूरी तरह स्वतंत्र और आत्मनिर्भर हैं ।उन्हें घर से बाहर निकलने और काम करने की आजादी है। शिक्षा प्राप्त करना भी उनका हक है। कुरान मे औरतों पर किसी भी तरह की कोई पाबंदी नहीं है, महिलाओ को स्वेच्छा से तलाक लेने का भी हक दिया गया है ,साथ ही संपत्ति पर भी उन्हें अधिकार दिया गया है।

परंतु ,शरिया कानून बनाने वालो ने महिलाओ को बंदी बना लिया । इस पुरुष प्रधान कानून ने महिलाओं को पंगु बना डाला है।

विश्व के 14 देश में शरिया कानून है परंतु, जितना विकृत तालिबान के शासन में यह कानून रहा है ,उतना विकृत किसी और देश में नहीं है ।

इस्लाम में शरिया कानून कोई लिखित कानून नहीं है बल्कि इस्लामिक कट्टरपंथी कानून विदो द्वारा बनाया गया कानून है।

इस्लाम में अलग-अलग संप्रदाय में अलग-अलग कानून है। इसका उद्देश्य संप्रदायिक संगठन तय करता है। उसी के कट्टरपंथी लोगों द्वारा मनमाना तरीके से कानून लागू कर दिया जाता है। जिसका उदाहरण 25 साल पहले अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है?

तालिबान ने पूरे अफगानिस्तान पर शरिया कानून लागू कर दिया है। स्त्री और पुरुष दोनों इस संसार में बराबर है । बिना स्त्री के पुरुष की कल्पना नहीं की जा सकती, और बिना पुरुष के सृष्टि आगे नहीं बढ़ सकता , यह बात सभी जानते हैं ।

इस्लामिक कानून में सिर्फ पुरुष ही मानव जाति है। स्त्री एक अलग ही प्रजाति है ??इस्लाम में महिलाएं सिर्फ भोग विलास की वस्तु की तरह उपयोग की जाती है । इसलिए वह ना तो इच्छा अनुसार कपड़े पहन सकती हैं? और ना ही घर से बाहर निकल सकती है?, ना ही शिक्षा ग्रहण कर सकती हैं ?स्त्री की शिक्षा की बात तो बहुत दूर है छोटी-छोटी बच्चियों को भी शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार नहीं है?

मलाला यूसुफजई ने जब इसकी वकालत की तो तालिबानियों ने उसे गोली से मार गोली मार दी?

यदि कोई महिला इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती है तो, उसमें तस्लीमा नसरीन की तरह देश से निकाल दिया जाता है। शरिया कानून स्त्रियों को कोई अधिकार नही देता है,न ही कुछ बोलने का हक? जैसे ही किसी बच्ची को मासिक धर्म शुरू होता है ,चाहे वह 12 साल की ही क्यों ना हो ,उस बच्ची से शादी करने की इजाजत शरिया कानून पुरूषो को देता है ?

क्या मासिक धर्म होते हैं बच्ची 12 साल से 20 साल की हो जाती है ?

हिंदुओं में विवाह बंधन सात जन्मों का माना जाता है हिंदुओं में तलाक या अलगाव जैसा कोई शब्द नहीं है। स्त्री और पुरुष दोनों को समान हक दिया जाता है हिंदुओं में वैवाहिक बंधन जितना पवित्र और मजबूत है इस्लाम में उतना ही कमजोर है ?

पुरुष द्वारा मात्र तीन बार तलाक, तलाक ,तलाक बोल दे तो रिश्ता टूट जाता है। आए दिन आवेश में आकर पुरुष अपनी पत्नी को तलाक दे देता है ,जब उसे अपनी गलती का एहसास होता है तो ,वह फिर अपनी पत्नी के साथ रहना चाहता है तो, उसे हलाला करना पड़ता है? हलाला एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें औरतों को दूसरे पुरुष से निकाह करनी पड़ती है, फिर उससे तलाक लेने के बाद अपने पूर्व पति के पास आ सकती है।

इस व्यवस्था में जैसे स्त्री कोई जीव नहीं बल्कि कोई वस्तु है ?? जब इन सब प्रक्रियाओं का विरोध कोई स्त्री करती है तो, उसे सरेआम पत्थर मार मार कर मार डालने की इजाजत शरिया कानून में है। तालिबानियों ने शरिया कानून को स्त्रियों के लिए सजा बना दी है, जैसे वह मनुष्य ना होकर कोई एलियन हो ?इस्लाम धर्म के प्रवर्तक मुहम्मद साहब ने इस्लाम धर्म बनाया और इस्लाम के नाम पर जिहाद करने वाले लोगों ने ऐसा कानून बनाया जिसमें महिलाओं के साथ जब चाहे सो सके उसका धमाल कर सके ।एक साथ कई शादी कर सके ,जब मन करे तलाक दे सके।

लेखिका: सुनीता कुमारी
पूर्णियाँ ,बिहार

बहुत ज्यादा जरूरी है कि ,मुस्लिम महिलाएं धर्म के नाम पर हो रहे शोषण के प्रति जागरूक हो ,एकजुट हो तभी उन्हे इंसान होने का हक प्राप्त होगा वर्ना, हमेशा शोषण का शिकार होती रहेगी।

संकट के क्षण

श्रीराम शर्मा आचार्य

संकट के क्षण बेशकीमती हैं। जीवन में इनका महत्व व मोल बहुत अधिक है। इतना अधिक कि इन्हें अतिमहत्वपूर्ण और अनमोल कहा जा सके। जब सब कुछ व्यवस्थित होता है और कहीं कोई संकट नहीं होता, तो जीवन चेतना सुप्त व मृतप्राय हो जाती है। जब कुछ बदल नहीं रहा होता है और पुराने की पकड़ मजबूत होती है तो लगभग असम्भव हो जाता है स्वयं को बदलना। लेकिन जब हर चीज अस्त-व्यस्त होती है, जीवन में कुछ भी स्थायी, निश्चित एवं सुरक्षित नहीं होता, कोई नहीं जानता कि अगले क्षण क्या होगा? ऐसे संकट के क्षणों में जीवन स्वतन्त्र होता है परिवर्तन के लिए, रूपान्तरण के लिए। संकट के बिना जीवन लगभग जेल जैसा है। जिसमें बस परम्पराओं, रीतियों, युगों पुरानी सड़-गल चुकी व्यवस्थाओं को विवशताओं के साथ निभाया जाता है। इस जेल से भाग निकलना तकरीबन असम्भव होता है। लेकिन जैसे ही संकट आया कि सब बँधी-बँधायी व्यवस्थाएँ टूट जाती हैं, विवशताओं से मुक्ति मिलती है। तनिक महसूस करें भूचाल आया हो, हर व्यवस्था बिखर चुकी हो, किसी को पता ही न हो कि पहरेदार कहाँ हैं, जेलर कहाँ है? सारे नियम टूट चुके हों, ऐसे क्षणों में कैदी अगर जरा भी सजग हो तो ये संकट के क्षण उसके लिए मोक्ष के क्षण हो सकते हैं। यही वजह है कि जीवन की कारा से, प्रकृति की अर्गलाओं से, माया के बन्धनों से मोक्ष पाने की चाहत रखने वालों के जीवन में संकटों की भरमार होती है। वे भगवान् से पल प्रतिपल, प्रत्येक क्षण, घड़ी, पक्ष, मास, अयन और वर्ष संकटों का वरदान माँगते हैं। भगवान् भी अपने इन प्यारे भक्तों को उदारतापूर्वक संकटों का अनुदान देते हैं। इसी कारण तपस्वी, योगी, ज्ञानी, भक्त आदि भगवान् के जितने भी प्रियजन हैं उनके जीवन में संकट कभी भी कम नहीं पड़ते। लेकिन वे अपने तप, योग, ज्ञान एवं भक्ति से संकट के प्रत्येक क्षण को मोक्ष के क्षण में बदलते हैं।

प्रत्येक संकट उनके लिए ईश्वरीय प्रकाश का द्वार होता है। भगवान् के प्रति अविचल श्रद्धा हो, जीवन के प्रति सकारात्मक भाव हो तो संकट के इन क्षणों से अधिक सुखद आध्यात्मिक साधना का सुअवसर अन्य कुछ भी नहीं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

ढोर हैं या चरवाहे ?

प्रकाशनार्थ - डॉ. दीपक आचार्य

कुछ दशकों से पहले और आज के इंसानों में जमीन-आसमान का अंतर है, और इसी के साथ सभी के वर्क कल्चर में भी दिन-रात का अंतर आता जा रहा है। उस जमाने में घर-परिवार का कोई काम हो या फिर समाज, परिवेश और क्षेत्र का, सभी लोग स्वयंस्फूर्त होकर आगे बढ़कर काम कर लिया करते थे और जो काम करते या जो काम उन्हें सौंपा जाता था, उस पर खरे उतरते हुए पूरे विश्वास के साथ कार्यपूर्णता का आनन्द प्रदान करते थे। उस जमाने में किसी को काम सौंप देने का अर्थ यह होता था कि वह कार्य पूरे परफेक्शन के साथ पूर्ण और परिपक्व होकर ही सामने आता था। कर्त्ता और कार्य सौंपने या कराने वाले दोनों को आत्म संतोष एवं आनंद की अनुभूति होती थी। इसके साथ ही एक और विशेषता यह थी कि हर व्यक्ति अपने कर्म के साथ अपनी पहचान बनाने और अपने कर्म को सर्वश्रेष्ठ बनाए रखने तथा इससे भी अधिक अपनी और कर्म की प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर अभिवृद्धि के लिए हर क्षण प्रयासरत रहा करता था। यही वजह थी कि समाज-जीवन और परिवेश के विभिन्न क्षेत्रों में हर हुनरमन्द के नाम की अपनी पृथक और अन्यतम पहचान हुआ करती थी। आज वह स्थिति नहीं दिखती। अब लोग काम करने में विश्वास नहीं रखते बल्कि काम टालने और इससे बचने के लिए निरन्तर जतन करने में लगे रहते हैं। बिना कुछ किए बहुत कुछ पाने के फेर में हमारी कार्य संस्कृति का ह्रास होता जा रहा है। फिर जब उन लोगों को देखते हैं जो बिना कुछ किए किसी न किसी की दया, करुणा, अनुकंपा या और किसी परोक्ष-अपरोक्ष आत्मीय संबंधों के बहुत कुछ पाते हुए वैभवशाली होते जा रहे हैं, तब स्वाभाविक रूप से जिज्ञासुओं का ध्यान उनकी ओर जाता है तथा वे भी वित्तेषणा और लोकेषणा के स्वप्न देखते हुए अनुकरण करने के लिए उद्यत रहते हैं। और इस पूरी यात्रा में लोगों को लगता है कि भिखारियों और दासों की तरह जीते हुए अपनी रीढ़ को ऐलास्टिक बनाकर चलने पर बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है और इसके लिए छोड़ना पड़ते हैं केवल स्वाभिमान और शर्म। फिर तो कोई बाधा सामने आती ही नहीं। एक बार जब शर्म और स्वाभिमान को छोड़ दें तो फिर कोई कारण नहीं कि किसी मर्यादा और सीमा को ध्यान में रखना पड़े। अब घर-परिवार हो या कोई सा संस्थान या समूह। हर किसी को उसके काम के बारे में बताना पड़ता है, बार-बार निर्देशित करना पड़ता है तब जाकर इंसान काम करने में जुटता है। फिर भी इस बात की कोई गारंटी नहीं कि वह काम अच्छी तरह हो ही जाए। परिपक्व इंसानों के लिए कहा जा सकता है कि उन्हें कोई सा काम एक बार बता दो, सौंप दो, फिर निश्चिन्त हो जाएं, लेकिन अब इस बात को सभी के लिए लागू नहीं माना जा सकता। अब कुछ फीसदी इंसानों को छोड़कर अन्यों को बार-बार किसी न किसी एक सा अधिक कामों के बारे में बताना और निर्देशित करना पड़ता है। एक बार किसी को समझा देने पर उसे समझ में आ ही जाए, इस बात की कोई गारंटी नहीं। और जिसे बार-बार एक ही बात समझानी पड़े, उसे सच्चा मनुष्य नहीं माना जा सकता। कुछ लोग जीवन भर पशुओं की तरह की व्यवहार करते हैं। इन्हें कितनी ही बार समझाओ, लेकिन समझेंगे नहीं। और इस स्थिति में इनके प्रति कभी गुस्सा और आक्रोश का भाव पनपता है और कभी इनके मनुष्य होने पर दया भी आती है। स्वयंस्फूर्त मेधा-प्रज्ञा और व्यवहार से कार्य सिद्धि में पूर्णता दिखाने वालों की कमी अब महसूस की जाती रही है। इनमें भी कई लोग तभी मन लगाकर काम करते हैं जबकि अतिरिक्त आवक या कोई न कोई लोभ-लालच या प्रलोभन दिख जाए अथवा इसकी संभावनाएं हों। हर कोई चाहता है कि परिश्रम से कई गुना अधिक लाभ प्राप्त हो। और इस सम्पूर्ण स्थिति में उन लोगों की स्थिति बड़ी ही विचित्र हो जाया करती है जिनके जिम्मे लोगों से काम लेना होता है। बार-बार काम की याद दिलाना, मौज-मस्ती और मनोरंजन में रमे हुओं को उनके कर्तव्य कर्म का स्मरण कराते हुए कर्मयोग की ओर मोड़ना और उनसे काम लेना ऐसे ही हो गया है जैसे कि चरवाहे की भूमिका अदा करनी पड़ रही है। बड़े-बड़े लोग महसूस करते हैं कि अब उनकी स्थिति चरवाहों जैसी ही हो गई है। कोई कितना ही बड़ा क्यों न हो, उसे चरवाहों की भूमिका में आकर ही औरों से काम ले पाना आसान होता है अन्यथा कार्यसिद्धि में विलम्ब, अपूर्णता और गुणवत्ताहीनता का खतरा हमेशा बना ही रहता है। असल में इंसान वही हैं जिनके कर्म के प्रति श्रद्धा और विश्वास हो, अन्यथा हम सभी ईमानदारी से यह तय करें कि हम किस श्रेणी में आते हैं। पूरी गंभीरता के साथ यह भी सोचने की आवश्यकता है कि हम मनुष्य के रूप में खरे उतर रहे भी हैं या नहीं।

यहां के राजा हैं महाकाल

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्रमुख शहर है जो क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है। यह एक अत्यन्त प्राचीन शहर है। यह विक्रमादित्य के राज्य की राजधानी थी। इसे कालिदास की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर 12 वर्ष पर सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल इस नगरी में स्थित है । उज्जैन मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इन्दौर से 55 किमी पर है. उज्जैन के प्राचिन नाम अवन्तिका, उज्जयनी, कनकश्रन्गा आदि है। उज्जैन मन्दिरों की नगरी है। यहां कई तीर्थ स्थल हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 4 लाख है।

देवाधिदेव महादेव

उज्जैन के महाकालेश्वर की मान्यता भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में है। महाकालेश्वर मंदिर का महात्म्य विभिन्न पुराणों में विस्तृत रूप से वर्णित है। महाकवि तुलसीदास से लेकर संस्कृत साहित्य के अनेक प्रसिध्द कवियों ने इस मंदिर का वर्णन किया है। लोक मानस में महाकाल की परम्परा अनादि है। उज्जैन भारत की कालगणना का केंद्र बिन्दु था और महाकाल उज्जैन के अधिपति आदिदेव माने जाते हैं। इतिहास के प्रत्येक युग में-शुंग,कुशाण, सात वाहन, गुप्त, परिहार तथा अपेक्षाकृत आधुनिक मराठा काल में इस मंदिर का निरंतर जीर्णोध्दार होता रहा है। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण राणोजी सिंधिया के काल में मालवा के सूबेदार रामचंद्र बाबा शेणवी द्वारा कराया गया था। वर्तमान में भी जीर्णोध्दार एवं सुविधा विस्तार का कार्य होता रहा है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिण मुखी है। तांत्रिक परम्परा में प्रसिध्द दक्षिण मुखी पूजा का महत्व बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर कोही प्राप्त है। ओंकारेश्वर में मंदिर की ऊपरी पीठ पर महाकाल मूर्ति कीतरह इस तरह मंदिर में भी ओंकारेश्वर शिव की प्रतिष्ठा है।तीसरे खण्ड में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन केवल नागपंचमी को होते है। विक्रमादित्य और भोज की महाकाल पूजा के लिए शासकीय सनदें महाकाल मंदिर को प्राप्त होती रही है। वर्तमान में यह मंदिर महाकाल मंदिर समिति के तत्वावधान में संरक्षित है।

पुराणों में वर्णित अष्ट भैरव में काल भैरव का स्थ सिंहस्थ कुम्भ

सिंहस्थ उज्जैन का महान स्नान पर्व है। बारह वर्षों के अंतराल से यह पर्व तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि पर स्थित रहता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियां चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारंभ होती हैं और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अंतिम स्नान तक भिन्न-भिन्न तिथियों में सम्पन्न होती है। उज्जैन के महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गए हैं। देश भर में चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। प्रयास, नासिक, हरिध्दार और उज्जैन में लगने वाले कुम्भ मेलों के उज्जैन में आयोजित आस्था के इस पर्व को सिंहस्थ के नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन में मेष राशि में सूर्य और सिंह राशि में गुरू के आने पर यहाँ महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसे सिहस्थ के नाम से देशभर में पुकारा जाता है। सिंहस्थ आयोजन की एक प्राचीन परम्परा है। इसके आयोजन के संबंध में अनेक कथाएँ प्रचलित है। अमृत बूंदे छलकने के समय जिन राशियों में सूर्य,चन्द्र, गुरू की स्थिति के विशिष्ट योग के अवसर रहते हैं, वहां कुंभ पर्व का इन राशियों में गृहों के संयोग पर आयोजन होता है। इस अमृत कलश की रक्षा में सूर्य,गुरू और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे। इसी कारण इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ पर्व मनाने की परम्परा है।

मंगलनाथ मंदिर

पुराणों के अनुसार उज्जैन नगरी को मंगल की जननी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी कुंडली में मंगल भारी रहता है, वे अपने अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए यहाँ पूजा-पाठ करवाने आते हैं। यूँ तो देश में मंगल भगवान के कई मंदिर हैं, लेकिन उज्जैन इनका जन्मस्थान होने के कारण यहाँ की पूजा को खास महत्व दिया जाता है।कहा जाता है कि यह मंदिर सदियों पुराना है। सिंधिया राजघराने में इसका पुनर्निर्माण करवाया गया था। उज्जैन शहर को भगवान महाकाल की नगरी कहा जाता है, इसलिए यहाँ मंगलनाथ भगवान की शिवरूपी प्रतिमा का पूजन किया जाता है। हर मंगलवार के दिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है।

क्षिप्रा घाट

उज्जैन नगर के धार्मिक स्वरूप में क्षिप्रा नदी के घाटों का प्रमुख स्थान है। नदी के दाहिने किनारे, जहां नगर स्थित है, पर बने ये घाट स्थानार्थियों के लिये सीढ़ीबध्द हैं। घाटों पर विभिन्न देवी-देवताओं के नये-पुराने मंदिर भी है। क्षिप्रा के इन घाटों का गौरव सिंहस्थ के दौरान देखते ही बनता है, जब लाखों-करोड़ों श्रध्दालु यहां स्नान करते हैं।

काल भैरव

काल भैरव मंदिर आज के उज्जैन नगर में स्थित प्राचीन अवंतिका नगरी के क्षेत्र में स्थित है। यह स्थल शिव के उपासकों के कापालिक सम्प्रदाय से संबंधित है। मंदिर के अंदर काल भैरव की विशाल प्रतिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में राजा भद्रसेन ने कराया था।

गढ़कालिका देवी

गढ़कालिका देवी का यह मंदिर आज के उज्जैन नगर में प्राचीन अवंतिका नगरी क्षेत्र में है। कालयजी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के उपासक थे। इस प्राचीन मंदिर का सम्राट हर्षवर्धन द्वारा जीर्णोध्दार कराने का उल्लेख मिलता है। गढ़ कालिका के मंदिर में माँ कालिका के दर्शन के लिए रोज हजारों भक्तों की भीड़ जुटती है। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारिक मंदिर की प्राचीनता के विषय में कोई नहीं जानता, फिर भी माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारतकाल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग के काल की है। बाद में इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार सम्राट हर्षवर्धन द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। स्टेटकाल में ग्वालियर के महाराजा ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

भर्तृहरि गुफा

भर्तृहरि की गुफा ग्यारहवीं सदी के एक मंदिर का अवशेष है, जिसका उत्तरवर्ती दौर में जीर्णोध्दार होता रहा ।

श्री बड़े गणेश मंदिर

श्री महाकालेश्वर मंदिर के निकट हरसिध्दि मार्ग पर बड़े गणेश की भव्य और कलापूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति का निर्माण पद्मविभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास के पिता विख्यात विद्वान स्व. पं. नारायण जी व्यास ने किया था। मंदिर परिसर में सप्तधातु की पंचमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा कृष्ण यशोदा आदि की प्रतिमाएं भी विराजित हैं।

उज्जैन के कई नाम

आज जो नगर उज्जैन नाम से जाना जाता है वह अतीत में अवंतिका, उज्जयिनी, विशाला, प्रतिकल्पा, कुमुदवती, स्वर्णश्रृंगा,अमरावती आदि अनेक नामों से अभिहित रहा। मानव सभ्यता के प्रारंभ से यह भारत के एक महान तीर्थ-स्थल के रूप में विकसित हुआ। पुण्य सलिला क्षिप्रा के दाहिने तट पर बसे इस नगर को भारत की मोक्षदायक सप्तपुरियों में एक माना गया है।

गोपाल मंदिर

गोपाल मंदिर उज्जैन नगर का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। यह मंदिर नगर के मध्य व्यासतम क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का निर्माण महाराजा दौलतराव सिंधिया की महारानी बायजा बाई ने सन् 1833 के आसपास कराया था। मंदिर में कृष्ण (गोपाल) प्रतिमा है। मंदिर के चांदी के द्वार यहां का एक अन्य आकर्षण हैं।

हरसिध्दि

उज्जैन नगर के प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में हरसिध्दि देवी का मंदिर प्रमुख है। चिन्तामण गणेश मंदिर से थोड़ी दूर और रूद्रसागर तालाब के किनारे स्थित इस मंदिर में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा हरसिध्दि देवी की पूजा की जाती थी। हरसिध्दि देवी वैष्णव संप्रदाय की आराध्य रहीं। शिवपुराण के अनुसार दक्ष यज्ञ के बाद सती की कोहनी यहां गिरी थी।

आज का उज्जैन

वर्तमान उज्जैन नगर विंध्यपर्वतमाला के समीप और पवित्र तथा ऐतिहासिक क्षिप्रा नदी के किनारे समुद्र तल से 1678 फीट की ऊंचाई पर 23 डिग्री.50% उत्तर देशांश और 75 डिग्री .50% पूर्वी अक्षांश पर स्थित है। नगर का तापमान और वातावरण समशीतोष्ण है। यहां की भूमि उपजाऊ है। कालजयी कवि कालिदास और महान रचनाकार बाणभट्ट ने नगर की खूबसूरती को जादुई निरूपति किया है। कालिदास ने लिखा है कि दुनिया के सारे रत्न उज्जैन में हैं और समुद्रों के पास सिर्फ उनका जल बचा है। उज्जैन नगर और अंचल की प्रमुख बोली मीठी मालवी बोली है। हिंदी भी प्रयोग में है। उज्जैन इतिहास के अनेक परिवर्तनों का साक्षी है। क्षिप्रा के अंतर में इस पारम्परिक नगर के उत्थान-पतन की निराली और सुस्पष्ट अनुभूतियां अंकित है। क्षिप्रा के घाटों पर जहां प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा बिखरी पडी है, असंख्य लोग आए और गए। रंगों भरा कार्तिक मेला हो या जन- संकुल सिंहस्थ या दिन के नहान, सब कुछ नगर को तीन ओर से घेरे क्षिप्रा का आकर्षण है। उज्जैन के दक्षिण-पूर्वी सिरे से नगर में प्रवेश कर क्षिप्रा ने यहां के हर स्थान से अपना अंतरंग संबंध स्थापित किया है। यहां त्रिवेणी पर नवगृह मंदिर है और कुछ ही गणना में व्यस्त है। पास की सडक आपको चिन्तामणि गणेश पहुंचा देगी। धारा मुड़कर गई तो क्या हुआ? ये जाने पहचाने क्षिप्रा के घाट हैं, जो सुबह-सुबह महाकाल और हरसिध्दि मंदिरों की छाया का स्वागत करते है। क्षिप्रा जब पूर आती है तो गोपाल मंदिर की देहली छू लेती है। दुर्गादास की छत्री के थोडे ही आगे नदी की धारा नगर के प्राचीन परिसर के आस-पास घूम जाती है। भर्तृहरि गुफा, पीर मछिन्दर और गढकालिका का क्षेत्र पार कर नदी मंगलनाथ पहुंचती है। मंगलनाथ का यह मंदिर सान्दीपनि आश्रम और निकट ही राम-जनार्दन मंदिर के सुंदर दृश्यों को निहारता रहता है। सिध्दवट और काल भैरव की ओर मुत्रडकर क्षिप्रा कालियादेह महल को घेरते हुई चुपचाप उज्जैन से आगे अपनी यात्रा पर बढ जाती है। कवि हों या संत, भक्त हों या साधु, पर्यटक हों या कलाकार,पग-पग पर मंदिरों से भरपूर क्षिप्रा के मनोरम तट सभी के लिए समान भाव से प्रेरणाम के आधार है।

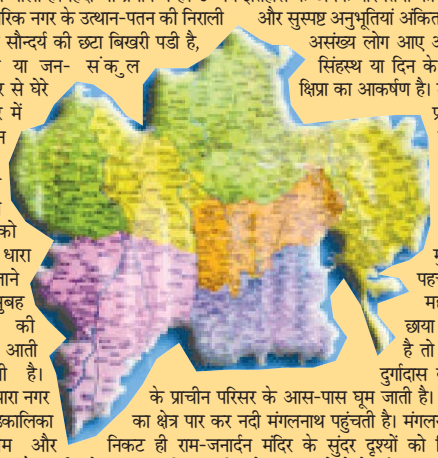

फेसबुक ने दो नए पोर्टल वीडियो कॉलिंग डिवाइस लॉन्च किए

सैन फ्रांसिस्को। सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक ने अपने पोर्टल वीडियो कॉलिंग डिवाइस के दो नए मॉडल की घोषणा की है। इनमें 10 इंच का पोर्टेबल पोर्टल गो, जिसकी कीमत 199 डॉलर है और नेक्स्ट-जेन पोर्टल प्लस 14 इंच के एचडी टिल्टिंग डिस्प्ले के साथ 349 डॉलर की कीमत है। पोर्टल गो और पोर्टल प्लस की शिपिंग 19 अक्टूबर से शुरू होगी, प्री-ऑर्डर अभी पोर्टल डॉट फेसबुक डॉट कॉम पर खुले हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, दूरस्थ कार्य के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति बनने के साथ, वितरित टीमों को फायदा हो सकता है कि वे एक ही कमरे में एक साथ हैं। इसलिए हम फिर से कल्पना कर रहे हैं कि पोर्टल का उपयोग कैसे किया जाता है कि घर पर और कार्यालय में उन स्थानों में सहयोग के अवसरों को अनलॉक करके जहां व्यवसाय किया जाता है। पोर्टल गो फेसबुक हार्डवेयर का पहला वर्जन है, जो बैटरी के साथ काम करता है। फेसबुक का पोर्टल लगभग पूरी तरह से वीडियो कॉलिंग के लिए है। पोर्टल गो पोर्टल स्मार्ट कैमरा वीडियो कॉलिंग को एक नए पोर्टेबल वर्जन में लाता है। यह पोर्टेबिलिटी को आसान बनाने के लिए एक एकीकृत हैंडल और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ बातचीत को एक कमरे से दूसरे कमरे में जाने देने के लिए डिजाइन किया गया है। पोर्टल गो में इमर्सिव वीडियो कॉल के लिए अल्ट्रावाइड फील्ड ऑफ व्यू के साथ 12 एमपी का कैमरा है। नए 14-इंच पोर्टल प्लस में अल्ट्रावाइड फील्ड ऑफ व्यू के साथ 12 एमपी का स्मार्ट कैमरा भी है। सभी पोर्टल डिवाइस अब जूम, सिस्को के वीबेक्स, ब्लू जीन्स के साथ-साथ गोटूमीटिंग का समर्थन करते हैं और दिसंबर में, पोर्टल माईक्रोसॉफ्ट टीमों के लिए समर्थन देगा।

सिफी टेक्नोलॉजीज 200 मेगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर करेगा स्थापित

चेन्नई। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा है कि नैस्डैक लिस्टेड सिफी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अगले चार वर्षों में हाइपरस्केल और खुदरा सुविधाओं के मिश्रण के साथ 200 मेगावाट क्षमता के डेटा केंद्र स्थापित करेगा। नए डेटा सेंटर मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में स्थापित किया जाएगे, जहां वित्तीय यातायात की सघनता को देखते हुए कॉलोकेशन और क्लाउड स्पेस दोनों की मांग अधिक होने की उम्मीद है। 2000 में डेटा सेंटर बाजार में प्रवेश करते हुए, सिफी ने पिछले कुछ वर्षों में 10 वाहक-तटस्थ डेटा केंद्रों का निर्माण और संचालन किया है, जो वर्तमान में वाशी, बेंगलुरु, चेन्नई, ऐरोली, नोएडा, रबाले, हैदराबाद और कोलकाता में 70 मेगावाट से अधिक पर कर रहा है। क्लाउड कवर के माध्यम से, सिफी पूरे भारत में 49 डेटा केंद्रों के नेटवर्क की भी सेवा करता है। कंपनी ने कहा कि पिछले 21 सितंबर को वाशी में उसके पहले डाटा सेंटर ने निर्बाध संचालन के 21 साल पूरे किए हैं। राजू वेगेस्ना, अध्यक्ष ने कहा,सिफी ने सितंबर 2000 में मुंबई के वाशी में इन्फोटेक पार्क में देश के पहले समवर्ती-रखरखाव योग्य डेटा सेंटर के शुभारंभ के बाद से भारत में डेटा सेंटर स्पेस में अग्रणी और उच्च मानकों को स्थापित किया है।

आर्थिक वृद्धि के लिए स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में अधिक निवेश की जरूरतः दास

(एजेंसी):

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि महामारी के बाद लगातार आर्थिक वृद्धि के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश तथा श्रम एवं उत्पाद बाजारों में सुधारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। एआईएमए राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए दास ने लगातार वृद्धि और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा, डिजिटल क्षेत्र में ढांचागत सुविधाओं में निवेश बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने उभरते और विकासशील देशों में सबसे ज्यादा गरीब और वंचित तबकों को प्रभावित किया है। दास ने कहा, ''हमारा प्रयास महामारी के बाद रहने योग्य और टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने का होना चाहिए। आने वाले समय में निजी खपत को टिकाऊ रूप से पटरी पर लाना महत्वपूर्ण होगा। यह ऐतिहासिक रूप से समग्र मांग का मुख्य आधार रहा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार वृद्धि मध्यम अवधि के निवेश, मजबूत वित्तीय प्रणाली और संरचनात्मक सुधारों के साथ आगे बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस उद्देश्य के लिए, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, नवोन्मेष,

भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश को गति देने की जरूरत है। हमें प्रतिस्पर्धा और गतिशीलता को प्रोत्साहित करने और महामारी से उत्पन्न अवसरों से लाभ उठाने के लिए श्रम एवं उत्पाद बाजारों में सुधारों को जारी रखा चाहिए।''

ऑडी ने भारतीय बाजार में दो इलेक्ट्रिक सुपरकारों को पेश किया, कीमत करोड़ों में

मुंबई । ऑडी ने बिजली से चलने वाली गाड़ियों के प्रति बढ़ती रूचि के बीच बुधवार को अपनी दो इलेक्ट्रिक 'सुपरकारों' ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी को भारतीय बाजार में उतारने की घोषणा की। कंपनी ने अनुसार ई-ट्रॉन जीटी संस्करण की कीमत 1.79 करोड़ और आरएस ई-ट्रॉन जीटी संस्करण की कीमत 2.04 करोड़ रुपये (एक्स शोरूम) रखी गई है।खास बात यह है कि यह दोनों गाड़ियां 5 से 80 प्रतिशत तक केवल 22 मिनट में चार्ज हो सकती है। ऑडी ने बताया कि ई-ट्रॉन जीटी 390 किलोवाट की बैटरी से लैस हैं तथा 4.1 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार पकड़ सकती है, जबकि 475 किलोवाट की क्षमता के साथ आने वाली आरएस ई-ट्रॉन जीटी मात्र 3.3 सेकंड में इतनी ही गति हासिल कर सकती है। कंपनी ने कहा कि एक बार पूरी बैटरी चार्ज करने के बाद ई-ट्रॉन जीटी 401 से 481 किमी की दूरी तय कर सकती है।वहीं आरएस ई-ट्रॉन जीटी एक बार चार्ज होने के बाद 388 किमी से 500 किमी तक चल सकती है। इस अवसर पर ऑडी इंडिया के प्रमुख ने कहा कि यह दिन हमारे लिए मील का पत्थर है क्योंकि हम भारत की पहली इलेक्ट्रिक सुपरकार पेश कर रहे हैं।

पहले चार महीने में एफडीआई में 62 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली: सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों जैसे नीतिगत सुधार, निवेश प्रोत्साहन और कारोबारी सुगमता आदि के बल पर चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में 27/37 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 16/92 अरब डॉलर की तुलना में 62 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अप्रैल से जुलाई के दौरान चार महीने में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 20/42 अरब डॉलर रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 9/16 अरब डॉलर की तुलना में 112 प्रतिशत अधिक है। पहले चार महीने में एफडीआई आकर्षित करने के मामले में ऑटोमोबाइल उद्योग शीर्ष स्थान पर रहा है। कुल एफडीआई में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत रही है जबकि कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 10 फीसदी है। इस अवधि में सबसे अधिक एफडीआई कर्नाटक में 45 प्रतिशत रहा है जबकि महाराष्ट्र 23 प्रतिशत के साथ दूसरे और दिल्ली 12 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा है।

सेंसेक्स 78 अंक टूटा, निफ्टी 17,550 के नीचे आया

मुंबई (एजेंसी):

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 78 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले निवेशकों के सतर्क रुख के बीच एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक बैंक के शेयरों में गिरावट के साथ बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सूचकांक 77.94 अंक यानी 0.13 प्रतिशत फिसलकर 58,927.33 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 15.35 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,546.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एक प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में एचडीएफसी रहा। इसके अलावा नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक और एचडीएफसी बैंक में भी प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक और बजाज ऑटो शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक में किए गए निर्णय की घोषणा आज रात होगी। उससे पहले, घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में रहा। वैश्विक बाजारों में भी कारोबार सीमित दायरे में रहा। यूरोपीय बाजारों में तेजी का रुख रहा। वाहन, आईटी और रियल्टी शेयरों में तेजी रही जबकि जी एंटरटेनमेंट के सोनी पिक्चर्स में विलय की खबर से निफ्टी मीडिया सूचकांक 15 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। जी एंटरटेनमेंट के शेयर में 30 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई में तेजी रही जबकि टोक्यो बाजार नुकसान में रहा। हांगकांग और सियोल बाजार अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.12 प्रतिशत बढ़कर 75.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

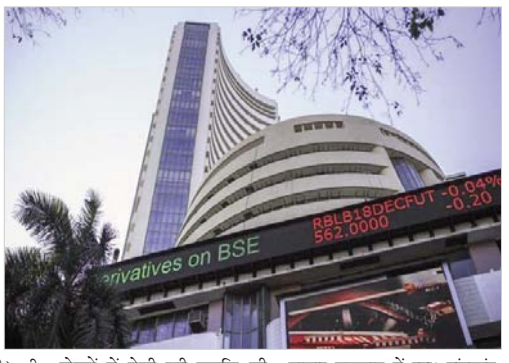

निवेशकों में टाटा सबसे भरोसेमंद समूहः सर्वेक्षण

मुंबई (एजेंसी)।

इक्विटीमास्टर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में टाटा समूह सबसे भरोसेमंद कॉर्पोरेट समूह के रूप में उभरा है। हालांकि, विभिन्न कॉरपोरेट समूहों की विश्वसनीयता का आंकलन करने वाले सर्वेक्षण में पाया गया कि हीरो, जिंदल, आरपीजी समूह और बाकी कॉर्पोरेट समूहों जैसी संस्थाओं पर साक्षात्कार किए गए लोगों की कुल संख्या में से केवल 5 प्रतिशत तक ही भरोसा किया जाता है। इंडिपेंडेंट इक्विटी रिसर्च इनिशिएटिव इक्विटीमास्टर को भारत के 17 सबसे प्रसिद्ध कॉर्पोरेट समूहों से मिलकर बनाया गया था। इसमें कुल 5,274 लोगों ने हिस्सा लिया, जो कि इक्विटीमास्टर डॉट कॉम के विजिटर हैं। यह सर्वेक्षण इस बात की अंतरदृष्टि देता है कि क्या बड़े कॉर्पोरेट समूह निवेशकों का विश्वास अर्जित करने में सक्षम हैं और कैसे विश्वास उनकी दीर्घकालिक सफलता और विकास में एक बड़ी भूमिका निभाता है। चुनाव परिणामों ने यह भी दिखाया था कि बेहतर निवेश सीधे प्रभावी कॉर्पोरेट प्रशासन से संबंधित हैं। इसलिए, उन कंपनियों में निवेश करना हमेशा समझदारी भरा होता है जो विश्वास की भावना पैदा करती हैं। चुनाव परिणामों के बारे में सबसे खास बात यह है कि विजेता और बाकी कॉरपोरेट समूहों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। टाटा समूह को कुल मतों का 66.3 प्रतिशत प्राप्त हुआ है, जो कि 2013 में किए गए इस तरह के पिछले सर्वेक्षण में मिले मतों की संख्या (31.8 प्रतिशत) से दोगुने से भी अधिक है। 153 साल पुराने समूह के बाद एवी बिड़ला समूह और मुकेश अंबानी समूह क्रमशः 5.1 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत मतों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वास्तव में, टाटा समूह को छोड़कर, अन्य 16 समूहों में से कोई भी प्रतिभागियों की कुल संख्या के 5 प्रतिशत से अधिक का विश्वास जीतने में सक्षम नहीं है, हालांकि इनमें से कई समूह 2013 में इक्विटीमास्टर के पिछले सर्वेक्षण से कुछ रैंक ऊपर गए हैं। एवी बिड़ला, गोदरेज और टीवीएस समूह 2 रैंक ऊपर उठे हैं, मुकेश अंबानी समूह 6 रैंक ऊपर और राहुल बजाज समूह, जो चौथे स्थान पर आया है, पिछले पोल से नौ रैंक ऊपर चढ़ा है। इस साल के चुनाव परिणामों में एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह था कि 2013 में 4.1 प्रतिशत के विरोध में केवल 2.3 प्रतिशत निवेशकों ने उपरोक्त श्रेणी में से किसी के लिए मतदान नहीं किया था। यह बदलाव, हालांकि छोटा है, निवेशकों के भरोसे कॉर्पोरेट समूहों के प्रति खुलेपन को प्रकट करता है यदि बाद वाले ईमानदारी से इसे अर्जित करने का प्रयास करते हैं। जिस समूह को सबसे कम वोट (0.8 प्रतिशत) मिले हैं, वह आरपीजी (राम प्रसाद गोयनका) समूह है, जो सिएट टायर्स के मालिक हैं। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, इक्विटीमास्टर में अनुसंधान के सह प्रमुख राहुल शाह ने कहा, अगर हम आज कंपनी के मूल्यांकन को देखें, तो एक फर्म के मूल्य का एक बढ़ता हुआ हिस्सा सद्भावना और प्रतिष्ठा जैसे अमूर्त में रहता है और जब अमूर्त को मूर्त बनाने की बात आती है, तो विश्वास से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। उन्होंने आगे कहा, विशेषता कंपनी के नेतृत्व से संगठन के माध्यम से उसके बाहरी हितधारकों तक प्रवाहित होती है जो अंततः लंबी अवधि में लाभप्रदता बढ़ाती है। हालांकि, अगर ध्यान नहीं दिया जाता है, तो विश्वास की कमी का विपरीत प्रभाव हो सकता है। इक्विटीमास्टर एक इक्विटी अनुसंधान पहल है जो भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध कंपनियों पर राय प्रदान करती है।

अवेल फाइनेंस ने नए जमाने की क्रेडिट लाइन 'क्रेडिटएटीएम' पेश की, जिसमें ब्लू कॉलर वर्कफोर्स के लिए आसानी से उपयोग करने लायक सुविधाएं मौजूद हैं

बेंगलुरु। भारत के प्रमुख नियो-बैंकों में गिने जाने वाले अवेल फाइनेंस ने हाल ही में 'क्रेडिटएटीएम' लॉन्च किया है, जो अपने आधारभूत ग्राहकों को यूजर-फ्रेंडली सुविधाएं प्रदान करने वाला नए जमाने का एक कर्ज-स्रोत है। अवेल फाइनेंस भारत की कड़ी मेहनत करने वाली वर्कफोर्स के लिए उत्पाद और पेशकशें उपलब्ध कराता है। नकदी की किल्लत के वक्त एक आधुनिक क्रेडिट लाइन के माध्यम से सहायता प्रदान करना वन-टाइम एप्लिकेशन और लाइफटाइम क्रेडिट सिस्टम वाले अवेल फाइनेंस का लक्ष्य है, ताकि ग्राहकों का महीने भर गुजारा हो सके।

वर्चुअल क्रेडिट कार्ड मॉडल को ध्यान में रखते हुए उपयोगकर्ता क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान कर सकता है, यहां तक कि 1000/- रुपए की प्रारंभिक सीमा के साथ वह खाते से नकद राशि भी निकाल सकता है। यह प्रारंभिक सीमा 6 महीने की अवधि में अपग्रेड होकर 4000/- रुपए हो जाती है। बिल हर महीने के आखिर में बनाया जाता है, जिसका उपयोगकर्ता को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान करना होता है। कर्ज चुका देने के बाद इस क्रेडिट लाइन का फिर से उपयोग किया जा सकता है।

इस लॉन्च के बारे में बात करते हुए अवेल फाइनेंस के संस्थापक एवं सीईओ श्री अंकुश अग्रवाल ने कहा, "नकदी संकट के समय या वित्तीय मदद की जरूरत पड़ने पर हमारे ब्लू-कॉलर वर्कफोर्स को अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने के इरादे से क्रेडिटएटीएम को डिजाइन किया गया था। क्रेडिट एटीएम की यह सुविधा अपने यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस के बल पर एक ही बार के सामान्य आवेदन पर आजीवन क्रेडिट प्रदान करती है। इस सेगमेंट के वर्कफोर्स को जरूरी सहायता प्रदान करना और आसानी से अपनी जिम्मेदारियां निभाने में उनकी मदद करना हमारा सतत उद्देश्य है।"

मई 2021 के दौरान अवेल फाइनेंस ने अल्टेरिया कैपिटल के नेतृत्व में ऋण वित्तपोषण के लिए 24 करोड़ रुपए जुटाए थे। आज की तारीख तक यह फिनटेक स्टार्टअप- मैट्रिक्स पार्टनर्स, फाल्कन एज और ओला से इक्विटी में 21.6 मिलियन जुटा चुका है।

टियर-2 और टियर-3 शहरों में ईकॉमर्स सेलर पिकर के ऑल-इन-वन मोबाइल ऐप के साथ लॉजिस्टिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं

नई दिल्ली । सास आधारित (SaaS-based) लॉजिस्टिक स्टार्टअप पिकर ने अपने उपयोग में आसान मोबाइल एप्लिकेशन को लॉन्च करने की घोषणा की है। पिकर एसएमबी (SMBs) और डी2सी (D2C) ब्रांड्स को एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सॉल्युशन प्रदान करता है। पिकर के नए मोबाइल ऐप उद्देश्य टियर-2 और टियर-3 बाजारों में ब्रांड्स को लॉजिस्टिक के मामले में प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले बढ़त प्रदान करना है। यह मोबाइल ऐप छोटे ब्रांड्स को डेटा से संचालित ऑपरेशनल दक्षता, डेटा इंटेलिजेंस तक पहुंच और ग्राहकों को मजबूत संचार सूट के साथ सशक्त बनाने की पिकर की लॉन्ग-टर्म प्रतिबद्धता के अनुरूप है। पिकर लॉजिस्टिक क्षेत्र में एकमात्र ऐसा ब्रांड है जो 10 क्षेत्रीय भाषाओं में अपना डैशबोर्ड प्रदान करता है। अत्याधुनिक ऐप मजबूत टेक्नोलॉजी ढांचे पर बनाया गया है और इसके एडवांस और तब भी उपयोग में आसान फीचर्स के माध्यम से ई-कॉमर्स विक्रेताओं को एक सहज लॉजिस्टिक अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पिकर के ऐप के साथ वे चलते-फिरते अपने बिजनेस के परफॉर्मेंस और रेवेन्यू का व्यापक विश्लेषण प्राप्त कर सकते हैं। इस ऐप के यूजर अपने ग्राहकों की संपूर्ण ऑर्डर प्रोसेसिंग यात्रा के बारे में भी अपडेट रह सकते हैं, उनके ऑर्डर ट्रैक कर सकते हैं और रियल-टाइम में पैकेज के फ्रेट रेट्स की गणना कर सकते हैं, और किसी भी प्रश्न या समस्या के लिए 24×7 कस्टमर सर्विस सपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं।

ऐप के लॉन्च के बारे में अपने इनसाइट्स शेयर करते हुए पिकर के सह-संस्थापक और सीईओ रितिमान मजूमदार ने कहा, "टियर 2 और टियर-3 बाजारों में बिजनेस की बहुत बड़ी संभावना है। कोविड-19 ने एक कैटेलिस्ट के रूप में काम किया है और बिजनेस को ऑनलाइन शिफ्ट किया है, जहां या तो वे बाज़ारों में सीधे बेच रहे हैं या सीधे उपभोक्ताओं को बेच रहे हैं। पिकर उन व्यवसायों को सरल और समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्होंने डेटा की शक्ति का उपयोग करके ऑनलाइन बिक्री में परिवर्तन किया है। उपयोग में आसान, डेटा लाइट पिकर एप्लिकेशन को लॉन्च करना मल्टीलिंग्वल डैशबोर्ड को लॉन्च करने के बाद स्वाभाविक अगला कदम था। टियर 2- टियर-3 बाजारों में हमारी स्वीकृति बहुत अधिक है, जो पिकर के लिए तीन गुना विकास को भी बढ़ावा दे रही है।"

एलएंडटी म्यूचुअल फंड के 'इन्वेसि्टंग (निवेश) के आम तरीके' अभियान में आमों के साथ दिया गया है कि खास संदेश

एलएंडटी म्यूचुअल फंड ने आज फ्लेक्सी-कैप फंड श्रेणी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 'इन्वेसि्टंग (निवेश) के आम तरीके' नामक एक डिजिटल अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान में 'आम' का उपयोग करते हुए आम लोगों को म्यूचुअल फंड्स के महत्व के बारे में संदेश दिया गया। इसके साथ ही इस अभियान का उद्देश्य एक सरल लेकिन आकर्षक तरीके से फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश से निवेशकों को होने वाले फायदों के बारे में बताना है। फंड की कई विशेषताओं के बारे में भी इस अभियान में बताया गया है।

''आम किसे पसंद नहीं है?'' ये कहना है एलएंडटी म्यूचुअल फंड के सीईओ श्री कैलाश कुलकर्णी का। श्री कैलाश कुलकर्णी कहते हैं कि "हमारे डिजिटल अभियान का उद्देश्य निवेशकों तक पहुंचना और फ्लेक्सी-कैप फंडों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है क्योंकि हमने देखा है कि निवेशकों की युवा बिरादरी अक्सर विभिन्न योजना उप-श्रेणियों और अपने निवेश लक्ष्यों के बीच भ्रमित हो जाती है। इस संबंध में, कहानी कहने के माध्यम से, आम निवेशकों को फ्लेक्सी-कैप फंड की श्रेणी को समझने में मदद करने के लिए एक आकर्षक रूपक का उपयोग किया गया है।''

जबकि म्यूचुअल फंड को मोटे तौर पर इक्विटी, डेट और हाइब्रिड के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, वहीं इन तीन श्रेणियों के बीच कई उप-श्रेणियां भी हैं, जो विभिन्न निवेश लक्ष्यों को पूरा करती हैं। इक्विटी में फ्लेक्सी-कैप श्रेणी एक ऐसी श्रेणी है जिसके बारे में निवेशकों को सीमित जागरूकता है। एलएंडटी म्यूचुअल फंड की ये 30 सेकंड की फिल्म, फंड की विशेषताओं को व्यक्त करने के लिए आम के आकार (बड़े, मध्य और छोटे) का उपयोग करती है, क्योंकि यह श्रेणी बाजार पूंजीकरण स्पेक्ट्रम, यानी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में कंपनियों में निवेश करती है।.

अभियान का उद्देश्य फ्लेक्सी-कैप श्रेणी के बारे में सभी को सरल, शिक्षित और जागरूकता पैदा करना है जिससे निवेशकों को आसानी से बिंदुओं को जोड़ने में मदद मिलेगी। श्री कुलकर्णी ने आगे कहा कि "फंड का प्रकृति से एक फ्लेक्सी-कैप फंड का उद्देश्य निवेशकों को मूल्य और विकास दोनों की पेशकश करना है, जबकि एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना है। इस अभियान के माध्यम से, हमारा लक्ष्य निवेशकों को शिक्षित करने के साथ-साथ श्रेणी के निर्माण के दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करना है।"

टेस्ला के बाद, मर्सिडीज-बेंज ने की कारों पर आयात शुल्क कम करने की मांग

(एजेंसी):

टेस्ला के बाद जर्मन लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज बेंज ने उच्च आयात शुल्क को कम करने की मांग रखी है। भारत में मर्सिडीज-बेंज के एमडी मार्टिन श्वेन्क ने आयात शुल्क को 'अपमानजनक' बताते हुए कहा कि आयात शुल्क बहुत अधिक हैं और वैश्विक प्रौद्योगिकियों के साथ नई कारों के लिए बाजार को बढ़ाने के लिए इसे कम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वर्तमान में हमारे यहां बिक्री की मात्रा के निम्न स्तर के कारण भारत में इलेक्ट्रिक सहित सभी नई तकनीकों को स्थानीय बनाना संभव नहीं है। हमें इन शुल्क स्तरों पर ग्राहक नहीं मिल सकते। भारत 40,000 डॉलर से अधिक CIF मूल्य (लागत, बीमा और माल ढुलाई) के साथ पूरी तरह से आयातित कारों पर 100 फीसदी का आयात शुल्क और उससे कम सीआईएफ वाले अन्य पर 60 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाता है।

मस्क ने की थी भारत सरकार से मांग

हाल ही में एलन मस्क ने भारत सरकार से इलेक्ट्रिक कारों पर आयात शुल्क में कटौती की मांग की थी। मस्क ने कहा था कि फिलहाल भारत में आयात शुल्क दुनिया में सबसे ऊंचा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि इलेक्ट्रिक वाहनों पर कम से कम अस्थायी रूप से शुल्क राहत मिलेगी। इसके साथ ही मस्क ने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में आयातित वाहनों के साथ सफल रहती है, तो बाद में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने पर विचार कर सकती है।

बीसीसीआई ने निविदा दस्तावेज के लिए समय सीमा बढ़ायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के लिए निविदा दस्तावेज खरीदने की समय सीमा बढ़ा दी है। अब ये टीमें 10 अक्टूबर तक ये दस्तावेज खरीद सकती हैं। इससे पहले आईपीएल संचालन समिति ने 31 अगस्त को 10 लाख रुपए की निविदा फीस के भुगतान पर 'निविदा के लिए निमंत्रण (आईटीटी) दस्तावेज जारी किये थे। यह रकम वापस नहीं होगी। बीसीसीआई के अनुसार इच्छुक पक्षों के अनुरोध पर ही बीसीसीआई ने अब आईटीटी दस्तावेज खरीदने की तारीख को पांच दिन बढ़कर 10 अक्टूबर 2021 तक किया है। बीसीसीआई की साल 2022 के सत्र में दो नयी टीमों को जोड़ने की योजना है और यह टीमें अहमदाबाद, लखनऊ या पुणे हो सकती हैं। इस प्रकार अगले साल से आईपीएल में दस टीमें हो जाएंगी जो अभि आठ हैं।

टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप को ही छोड़ सकते हैं विराट ?

मुम्बई (एजेंसी)।

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के बाद टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी। वहीं अब माना जा रहा है कि वह टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप में ही खेलना छोड़ सकते हैं। विराट अभी आईपीएल खेल रहे हैं और उन्होंने काम के बोझ का हवाला देते हुए कहा है कि वह अगले साल से आईपीएल टीम आरसीबी की कप्तानी नहीं करेंगे। कोहली साल 2016 से ही टेस्ट, एकदिवसीय, टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत और आईपीएल में आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। भारत की कप्तानी करते हुए कोहली टीम को अभी तक एक भी आईसीसी खिताब नहीं दिला पाए जबकि आरसीबी को एक बार भी चैंपियन नहीं बना सके जबकि कप्तान के तौर पर उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में जबरदस्त सफलता मिली है। कोहली की बल्लेबाजी भी कप्तानी से प्रभावित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगाने वाले विराट नवंबर 2019 के बाद से ही शतक नहीं लगा पाये हैं। ऐसे में बल्लेबाजी पर ही ध्यान केंद्रित करने के लिए वह टी20 प्रारुप की कप्तानी के बाद इस प्रारुप में खेलना ही छोड़ सकते हैं। 5 नवंबर को वह 33 साल के हो जाएंगे और उनकी फिटनेस को देखते हुए कहा जा सकता है कि वह अभी 4-5 साल आसानी से क्रिकेट खेल सकते हैं। अपने करियर को लंबा खींचने के लिए आमतौर पर बल्लेबाज किसी एक प्रारुप में खेलना छोड़ देते हैं। सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले जैसे दिग्गज अपने करियर के अंतिम दिनों में सिर्फ टेस्ट क्रिकेट ही खेलते थे। इसी प्रकार कोहली भी किसी एक प्रारुप को छोड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद विराट के इस प्रारुप में कम ही खेलने की संभावनाएं हैं। भारतीय टीम टी20 विश्व कप के बाद शुरू हो रहे घरेलू सत्र में 14 टी20, 4 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मैच खेलने वाली है। अगले साल भी टी20 विश्वकप होना है तो ऐसे में सभी टीमें टी20 मैच ही ज्यादा खेल रही है। विराट आईपीएल में तो जरूर खेलेंगे पर टी20 मैचों से हट सकते हैं।

धमकी मिलने के बाद न्यूजीलैंड महिला टीम की बढ़ाई गई सुरक्षा, बोर्ड दिया यह बयान

लीसेस्टर (एजेंसी) ।

इंग्लैंड के खिलाफ लीसेस्टर में आज खेले जा रहे तीसरे वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच के बीच न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि गैर-विश्वसनीय खतरे की आशंका के बाद टीम के चारों ओर सुरक्षा सतर्क है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को न्यूजीलैंड से संबंधित एक धमकी भरा ईमेल मिला है, हालांकि यह विशेष रूप से न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के संदर्भ में नहीं है, लेकिन इसे गंभीरता से लिया गया, जांच की गई और इसे विश्वसनीय नहीं माना गया। न्यूजीलैंड बोर्ड ने सुरक्षा खतरे के कारण टीम के प्रशिक्षण सत्र को रद्द करने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि महिला टीम लीसेस्टर में है और एहतियात के तौर पर उनके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनका प्रशिक्षण सत्र रद्द करने की खबरें झूठी हैं। उनका आज प्रशिक्षण सत्र निर्धारित नहीं था। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड ने सुरक्षा कारणों के चलते अपना पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था।

इसके बाद कल ईसीबी ने भी इंग्लैंड की पुरुष एवं महिला टीम का अगले महीने होने वाला पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया है।

राजस्थान के कप्तान सैमसन पर धीमी ओवर गति को लेकर लगा 12 लाख रूपये का जुर्माना

दुबई (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर आईपीएल 2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान धीमी ओवर गति को लेकर जुर्माना लगाया गया है। टीम की पहली गलती के कारण आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम पर 12 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है। सैमसन की टीम ने पंजाब को बेहद रोमांचक मुकाबले में दो रन से हराया था। इस मैच को जीताने में कार्तिक त्यागी का अहम योगदान रहा।राजस्थान ने 185 रन बनाए जिसके जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवर में चार विकेट पर 183 रन ही बना पाई। हालांकि, मयंक अग्रवाल ने 67 रनों की पारी की खेल टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई थी।

हमने अपनी योजनाओं पर काम नहीं किया : मिताली राज

मकाय (एजेंसी)।

भारत की वनडे कप्तान मिताली राज ने कहा कि मंगलवार को यहां पहले वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया से टीम की नौ विकेट से हार के पीछे की वजह थी कि हमने अपने योजनाओं पर काम नहीं किया। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज राचेल हेन्स (नाबाद 93) और एलिसा हीली (77) और नंबर 3 की बल्लेबाज मेग लैनिंग (नाबाद 53) ने भारतीय गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ खूब रन बना कर मेजबान टीम को शानदार जीत दिलाई और सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बनाई। भारत की महिलाओं ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 225/8 रन बनाए थे। मिताली ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा,हमारे पास योजनाएं थी पर हमने उस पर काम नहीं किया। कभी-कभी गेंदबाजों को लय नहीं मिलती है, और कभी-कभी उन्हें लय मिल जाती है पर हमारी योजनाएं काम नहीं कर रही है। हमे अपनी गेंदबाजी में काफी सुधार करने की जरुरत है क्योंकि मुख्य रूप से हमारे पास स्पिनर हैं, और स्पिनर हर जगह रन लग रहे हैं, इसलिए हमें अपने योजनाओं के बारे में सोचने की जरुरत है। गेंदबाजी की योजना भले ही विफल हो गई हो, लेकिन भारतीय बल्लेबाजी ने भी मंगलवार को कुछ खास नहीं किया। मिताली राज ने खुद 63 रन बनाने के लिए 107 गेंदें लीं।

मिताली ने बताया कि दो विकेट जल्दी आउट होने के बाद बल्लेबाज ने धिमी बल्लेबाजी क्यो की। मिताली ने बताया कि पावरप्ले में ही दो विकेट गंवाने-खासकर शैफाली (वर्मा) और स्मृति (मंधना) जैसे बल्लेबाजों के बाद यह महत्वपूर्ण था कि मध्य क्रम में हम साझेदारी बनाए।

संक्षिप्त समाचार

आई लीग खिलाड़ियों के लिए पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य, इन खिलाड़ियों को मिलेगी छूट

नई दिल्ली । आई लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुनंदो धर ने बुधवार को कहा कि दिसंबर में शुरू हो रही लीग में भाग लेने वाले सभी फुटबॉल खिलाड़ियों का पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य होगा जबकि अंडर-18 और हाल में कोविड-19 संक्रमण से उबरे खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी। आई लीग 2021-22 के कोलकाता और इसके समपवर्ती इलाकों में कड़े बायो-बबल में आयोजित होने की उम्मीद है जिसमें सख्त कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। धर ने साक्षात्कार में कहा, 'आई लीग और आई लीग क्वालीफायर में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों का कोविड-19 टीकाकरण की दोनों डोज लेना अनिवार्य होगा। सिर्फ अंडर-18 खिलाड़ियों और हाल में संक्रमण से उबरने के कारण टीका नहीं लगवा पाने वाले खिलाड़ियों को छूट होगी।' उन्होंने कहा, 'पिछले साल टीकाकरण की दोनों डोज अनिवार्य नहीं थी लेकिन हमने इस बार इसे जरूरी कर दिया है। इसलिये इस बार काफी सख्ती होगी।% अंडर-18 खिलाड़ियों और जो हाल में कोविड-19 से उबरने के कारण टीका नहीं लगवा पाने खिलाड़ियों के टीकाकरण करवा चुके खिलाड़ियों की तुलना में टूर्नामेंट के दौरान ज्यादा परीक्षण किये जाएंगे।

मैं वापसी के लिए अभी सबसे खराब स्थिति में हूं : रोजर फैडरर

ज्यूरिख । रोजर फेडरर का कहना है कि उनकी चोट के बाद वापसी उन्हें अभी तक नजर नहीं आ रही। लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वह सबसे खराब स्थिति में हैं। फेडरर इस साल दौरे पर वापस आने से पहले अपने दाहिने घुटने की दो सर्जरी के साथ एक साल से अधिक समय से बाहर थे। उन्होंने इस दौरान केवल 13 मैच खेले। जुलाई में विंबलडन में क्वार्टर फाइनल में हार के बाद उन्होंने तीसरा ऑपरेशन करवाया था। स्विस स्टार ने ज्यूरिख में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मैं बहुत अच्छा कर रहा हूं। पुनर्वसन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा हूं। मेरे पीछे सबसे बुरा है। मैं आने वाली हर चीज की प्रतीक्षा कर रहा हूं। जब आप चोट से वापस आते हैं, तो हर दिन एक बेहतर दिन होता है। इसलिए यह एक रोमांचक समय है। उन्होंने कहा कि अपने घुटने में दर्द के कारण वह जो कुछ भी झेल रहे थे, उसे देखते हुए स्थिति से निपटना कोई मानसिक समस्या नहीं थी।

मैच को 19 वें ओवर में ही समाप्त करने की आवश्यकता थीः कुंबले

दुबई (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स के कोच अनिल कुंबले मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मैच में हार के बाद निराश हैं। पंजाब की टीम को अंतिम दो ओवरों में सिर्फ आठ रन बनाने थे पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) इस रोमांचक मैच को दो रन से जीत लिया। युवा आरआर पेसर कार्तिक त्यागी की आखिरी ओवर की शनदार गेंदबाजी ने टीम को एक जबदस्त जीत दिलाई। पंजाब को आखिरी ओवर में चार रन चाहिए थे लेकिन त्यागी ने सिर्फ एक रन दिया और दो विकेट लेकर अपनी टीम को मैच जीतवा दिया। कुंबले जानते हैं कि प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना वास्तव में कठिन काम होगा क्योंकि नौ मैचों में छठी हार का मतलब है कि उनकी टीम, जो वर्तमान में छह अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। अब उन्हें प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए अपने सभी गेम जीतने होंगे।कुंबले ने मैच के बाद कहा, जब हम दुबई में खेल रहे होते हैं तो यह हमारे लिए एक पैटर्न बन गया है। हमें इस मैच को 19वें ओवर में ही समाप्त करने की आवश्यकता थी। इसे अंत तक नहीं जाने देना। लेकिन दुर्भाग्य स जब आप इसे आखिरी दो गेंदों पर छोड़ देते हैं, तो यह लॉटरी बन जाती है। कार्तिक त्यागी को शानदार गेंदबाजी के लिए बहुत बहुत बधाई।कुंबले इस बात से नाखुश थे कि बल्लेबाजों अंतिम ओवर में त्यागी की लाइन का पता नहीं लगा पाए। उन्होंने कहा, यह बहुत स्पष्ट था कि वह बाहर की ओर वाइड गेंदबाजी करने जा रहा था, और किसी तरह हमारे बल्लेबाजों ने सही विकल्प नहीं लिया। हमें इस पर चर्चा करने और इसे सुलझाने की जरूरत है। हमारे पास पांच और गेम हैं, हम नहीं चाहते हैं इस हार से निराश हो जाए हमें इसे निश्चित रूप से भुलाने की जरुरत है।

एंटी करप्शन यूनिट के शक के घेरे में दीपक हुड्डा

स्पोर्ट्स डेस्क . पंजाब किंग्स के ऑलआउंडर खिलाड़ी दीपक हुड्डा राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। जिस वजह से पंजाब की टीम आखिरी ओवर में 2 रन से हार गई। भले ही इस मैच में दीपक हुड्डा कोई खास कमाल नहीं दिखा पाएं हों पर सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट से वह अब चर्चा में आ गए हैं। राजस्थान के खिलाफ मैच से पहले हुड्डा की एक पोस्ट की जिस पर अब एंटी करप्शन यूनिट नजरें हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से पहले दीपक हुड्डा ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की। इस फोटो में हुड्डा हेल्मेट पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। फोटो के साथ हुड्डा ने कैप्शन में लिखा कि हम आ रहे हैं। उन्होंने इसके अपनी फेंचाईजी पंजाब किंग्स को टैग किया। एंटी करप्शन यूनिट के अधिकारियों को शक है कि यह एंटी करप्शन के दिशा निर्देशों का उल्लंघन करती है। एक अधिकारी ने इस पर कहा कि वह निश्चित तौर पर इस गौर करेंगे कि क्या यह बीसीसीआई के एंटी करप्शन के दिशा निर्दशों का उल्लंघन तो नहीं करती। एंटी करप्शन यूनिट ने एक बयान में कहा कि हमने पोस्ट को देखा। हमारी कुछ पबंदियां है जिसमें से एक यह है कि कोई भी टीम को लेकर कोई भी जानकारी साझा नहीं करेगा। इसके लिए कुछ दिशा निर्देश भी हैं कि आप सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर सकते हैं और क्या नहीं। हम सोशल मीडिया पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। गौर हो कि बीसीसीआई ने करप्शन के लेकर काफी सख्त है और इसे लेकर कई पॉलिसी बनाई हुई है। एंटी करप्शन के प्रमुख शबीर हुसैन यूएई में खेले जा रहे आईपीएल में कड़ी नजर रखे हुए हैं।

एटलेटिको मैड्रिड ने ला लिगा में गेटाफे को 2-1 से हराया

मैड्रिड। लुइस सुअरेज के खेल के अंतमि 12 मिनट के दौ हेडर्स के बदौलत एटलेटिको मैड्रिड ने ला लिगा में गेटाफे को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ मैड्रिड की छह मैचों में 14 अंक के साथ अंत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि गेटाफे अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। गेटाफे के लिए स्टीफन मित्रोविक ने एक हेडर के साथ घरेलू टीम के लिए गोल किया। गेटाफे ने 10 खिलाड़ियों के साथ मैच का अंतिम चरण खेला, जब कार्ल्स एलेना को 74 वें मिनट में एटलेटिको के मैथियस कुन्हा ने अपने स्टड से उनके पैर के पीछे हिस्से को दबा दिया, जिसके चलते उन्हें लाल कार्ड दिखाया गया । मैड्रिड के सुआरेज ने खेल के 78वें और 90वें मिनट में गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

नटराजन कोरोना पॉजिटिव, करीबी संपर्क में आए छह लोग आईसोलेट हुए

दुबई। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी. नटराजन निर्धारित आरटी- पीसीआर टेस्ट में कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने खुद को टीम के अन्य सदस्यों से अलग कर लिया है और वह फिलहाल लक्षणरहित हैं। नटराजन के करीबी संपर्क में आए लोगों में उनके टीम के साथी खिलाड़ी विजय शंकर, नेट गेंदबाज पेरियासामी गणेशन, टीम मैनेजर विजय कुमार, फिजियोथेरेपिस्ट श्याम सुंदर जे, डॉक्टर अंजना वनान और लॉजिटिस्टिक मैनेजर तुषार खेडकर हैं जिन्हें आईसोलेशन में रखा गया है। आईपीएल ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा, टीम के अन्य सदस्यों सहित करीबी संपर्क में आए लोगों का स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे आरटी-पीसीआर टेस्ट किया गया और सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इसके बाद आज होने वाला हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में तय कार्यक्रम के अनुसार होगा। नटराजन को घुटने में चोट लगी थी और उनकी सर्जरी हुई थी। वह आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से वापसी करने वाले थे। अप्रैल में आईपीएल के पहले चरण में उन्होंने फेंचाइजी के लिए दो मुकाबले खेले थे। इससे पहले, गत चार मई को हैदराबाद के रिद्धिमान साहा, दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के संदीप वारियर और वरूण चक्रवर्ती और चेन्नई सुपर किंग्स के कोच लक्ष्मीपति बालाजी और माइकल हसी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद इस टूनामेंट को स्थगित किया गया था। आईपीएल 2021 को करीब चार महीने बाद कड़े बायो-बबल प्रोटोकॉल में यूएई में 19 सितंबर से शुरू किया गया।

ओलंपिक में टीम के शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण एक संतुलित टीम होना था : हार्दिक सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

युवा भारतीय हॉकी मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने बुधवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों में टीम के शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण एक संतुलित टीम होना था। भारत ने 41 वर्षों के बाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

हार्दिक ने कहा, हम एक चुस्त टीम हैं, और मुझे लगता है कि ओलंपिक में हमारी सबसे बड़ी ताकत थी कि हमने एक दूसरे के साथ शानदार संयोजन बनाया था और हम एक-दूसरे के कौशल से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निराशाजनक परिणाम के बाद (1-7 हार), हम एक साथ बैठे और एक-दूसरे से खुलकर बात की कि क्या गलत हुआ और आने वाले मैचों में हमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए क्या करने की जरूरत है। इससे हमें वापसी करने और देश के लिए पदक जीतने में बहुत मदद मिली। 22 वर्षीय हार्दिक भारतीय मिडफील्ड में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने पहले ओलंपिक खेलों में दो महत्वपूर्ण गोल किए। हार्दिक ने कहा, 2018 विश्व कप के बाद, यह (टोक्यो ओलंपिक) सीनियर टीम के साथ मेरा दूसरा बड़ा टूनामेंट था, और मैं विश्व कप में अपने प्रदर्शन से वास्तव में संतुष्ट नहीं था। इसलिए, मैं खुद को साबित करना चाहता था कि मैं बड़े स्तर पर बेहतर कर सकता हूं। इसलिए, मेरे लिए यह एक बड़ी चुनौती थी, और मुझे खुशी है कि मैं अच्छा कर सका, और टीम की सफलता में योगदान करने में सक्षम रहा। हार्दिक ने इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में एक यादगार फील्ड गोल किया, जिससे भारतीय टीम को चार दशक से अधिक समय के बाद ओलंपिक में पदक के दौर में प्रवेश करने में मदद मिली। 22 वर्षीय मिडफील्डर ने आगे कहा कि टीम पेरिस 2024 ओलंपिक में स्वर्ण की तलाश शुरू करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, हम पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के लिए अपनी अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। हमें कदम दर कदम अगे बढ़ना होगा, और हमारा पहला कदम 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर ओलंपिक खेलों 2024 के लिए सीधे क्वालीफाई करना होगा। फिर 2023 में, हमारे पास एक और मार्की इवेंट है-हॉकी विश्व कप, जो ओडिशा में खेला जाएगा, इसलिए आगे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक समय है, और हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

मेन रोड पर नहीं चला सकते मटन मच्छी की दुकान :पार्षद सुधाकर चौधरी

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के लिंबायत जोन हद विस्तार के डिंडोली गांव में मेन रोड पर बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल से लेकर डिंडोली गांव तक जो मच्छी मटन की दुकान चलाई जा रही है, इन दुकानों को महानगर पालिका द्वारा दो दो बार सील किया गया। लेकिन मच्छी मटन की दुकान चलाने वाले व्यापारी मनपा के आदेश का उल्लंघन कर दुकानों का सील खोलकर बार-बार मच्छी मटन बकरा काटकर मांस बेच रहे हैं। जिसके संदर्भ में डिंडोली विस्तार से गणेश उत्सव समिति डिंडोली इंचार्ज अशोक महापात्रा द्वारा बार-बार ऑनलाइन कंप्लेंट कर दुकानों को बंद कराया जाता है। परंतु डिंडोली गांव में मेन रोड पर मच्छी मटन की दुकान चलाने वाले व्यापारी को किसी ऐसे अधिकारी का साथ मिला है जिसकी वजह से मच्छी मटन के व्यापारी मनपा कर्मचारियों की बात का जरा भी खतरा नहीं करते और हाल समय में भी दुकान सील होने के बावजूद अपने दुकानों के सामने मेन रोड पर लोग अपनी दुकानें चला रहे हैं। इस संदर्भ में डिंडोली बोर्ड ऑफिस में लिंबायत जोन के कार्यपालक गजेंद्र डी. चौहान और डिप्टी इजनेर चौधरी साहब तथा मार्केट विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में क्षेत्रीय पार्षद सुधाकर चौधरी तथा सिमाज सेवी हरिकेश सिंह राजपूत एवं सूर्यमुखी हनुमान मंदिर के तमाम ट्रस्टी यशवंत भाई के साथ उपस्थित थे। यह निर्णय लिया गया की नवरात्रि से पहले 15 दिन के अंदर मच्छी मटन की दुकानें मेन रोड से हट जानी चाहिए इनके पुलिस स्टेशन में फरियाद कर पुलिस बंदोबस्त की जरूरत हो तो महानगर पालिका के कर्मचारी ले सकते हैं जिसमें गांव के सदस्य तथा विस्तार के पार्षदो और उत्तर भारतीय विकास परिषद के संयोजक संजय मिश्रा तथा अशोक महापात्रा का भी सहयोग मिलेगा। अगर 15 दिन में इन व्यापारियों को यहां से नहीं हटाया गया तो सुधाकर चौधरी इस संदर्भ में लंबा आंदोलन छेड़ सकते हैं।

तीन मंजिला जर्जर इमारत गिराई, भगदड़ मची

मनपा ने मकान को गिराते समय एक ओर का रास्ता बंद किया था, दूसरे ट्रैक पर वाहन लगातार आ-जा रहे थे

सूरत।

टर्निंग पॉइंट के पास स्थित मजूरा फायर स्टेशन की जर्जर बिल्डिंग को गिराने में महानगरपालिका की लापरवाही से लोग घबरा गए। मनपाकर्मियों ने तीन मंजिला २०० फीट चौड़े और ५० फीट लंबे आरसीसी मकान को तकनीक से एक झटके में ही जमींदोज कर दिया। लेकिन, मनपा की इस कार्रवाई से लोगों की जान सांसत में पड़ गई। मनपा ने मकान को गिराते समय एक ओर का रास्ता बंद किया था। दूसरे ट्रैक पर वाहन लगातार आ-जा रहे थे। इसी बीच जैसे ही इमारत गिराई गई, लोग घबरा गए। वहीं, धूल से यात्रियों का हाल-बेहाल हो गया। हालांकि, किसी को इससे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बिल्डिंग को गिराने का काम मनपा ने कॉन्ट्रैक्टर को सौंपा था। सूरत मेट्रो को मजूरा फायर स्टेशन की जमीन की जरूरत है। अठवा जोन ने जर्जर बिल्डिंग को गिराने के लिए आगे के पिलर को कमजोर कर दिया गया था। इसके बाद वाइब्रेटर से झटका देते ही पूरा मकान धराशायी हो गया। मजूरा फायर स्टेशन के जर्जर मकान को गिराने की योजना पहले से ही बनाई गई थी। बिल्डिंग के पिलर को लूज करके एक झटके से गिरा दिया गया। बिल्डिंग गिराने से पहले रोड को बंद किया गया था। हालांकि लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी, इसलिए धूल उड़ने से घबरा गए। इस दौरान किसी का बाल तक बांका नहीं हुआ। एक ओर बिल्डिंग को गिराया जा रहा था तो दूसरी ओर ट्रैफिक भी चालू थी। मनपा की इस कार्रवाई से दुकानदार और वाहन चालक अनजान थे। बिल्डिंग गिरने के बाद धूल उड़ने लगी। धूल उड़ते ही दुकानदारों में भगदड़ मच गई। वही, कई वाहन चालक भी सड़क पर गिर गए थे। भटार की ओर जाने वाले रास्ते को मनपा ने बंद कर दिया था। दूसरे ट्रैक पर ट्रैफिक चालू थी। इसी बीच अचानक बिल्डिंग को धक्का मारकर गिरा दिया गया। बिल्डिंग गिरते ही वाहन चालक घबरा गए। मनपा को बिल्डिंग गिराने से पहले पूरी सावधानी बरतनी चाहिए थी। सड़क पर ट्रैफिक चालू थी। मनपा ने बेरिकेडिंग भी नहीं की थी। मेरी गाड़ी पास ही थी, तभी धड़ाम से बिल्डिंग गिर गई। धूल उड़ते ही मैं डर गया था। जान बचने पर भगवान को धन्यवाद दिया। बेरिकेडिंग नहीं करने से वहां से गुजरने वालों को डर लग रहा था।

सूरत में बाद के ४ दिनों में १८७११ डोज ही लग पाए

सूरत।

सूरत मनपा ने रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर १७ सितंबर को २.५ लाख लोगों को टीके लगाए, लेकिन उसके बाद चार दिनों में सिर्फ १८७११ टीके ही लगा पाई।। इनमें पहले डोज वाले ९ हजार लोग ही हैं। १७ सितंबर को ३१० सेंटरों पर ८७२८३ लोगों को पहला और ११५१३८ लोगों को दूसरा डोज लगाया गया था। हालांकि उसके बाद लगातार तीन दिन तक कोविशील्ड वैक्सीन की सप्लाई मनपा को नहीं मिली। पुराने स्टॉक से शनिवार को ४ हजार डोज लगाए। रविवार को अवकाश रखा और सोमवार को सिर्फ कोवैक्सीन के ११६९१ डोज लगाए गए। मंगलवार को ३०२० टीके लगाए गए। स्पेशल ड्राइव के बाद ४ दिनों में १८७११ डोज लग पाए। इस हिसाब से टीकाकरण हुआ तो १०० फीसदी वैक्सीनेशन में एक महीना लग जाएगा। मोदी के जन्मदिन के पहले के ३ दिनों में मनपा ने १ लाख ३ हजार टीके लगाए थे। शहर ३४ लाख ३२ हजार ७३७ लोग एलिजिबल हैं। इनमें से ३,२१६,६६८ लोग पहला डोज ले चुके हैं। बाकी २१६०६९ लोग पहला डोज नहीं लगवा पाए हैं। पिछले ४ दिनों में १९ हजार लोगों को पहला और दूसरा डोज लग पाया है। इसमें पहला डोज लगभग ९ हजार है। रीजनल स्टोरेज सेंटर को १७ सितंबर के बाद मंगलवार को १ लाख ३८ हजार डोज मिले। इनमें से ८० हजार डोज मनपा को दिए। बुधवार को शहर में १७१ सेंटरों पर वैक्सीनेशन होगा। मनपा के डिप्टी हेल्थ कमिश्नर डॉ. आशीष नायक ने बताया कि ३२ लाख लोगों को पहला डोज लग चुका है। बाकी २ लाख १६ हजार लोगों को २ अक्टूबर तक पहला डोज लगाने का लक्ष्य है।

विधानसभा के मानसून सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग की

अहमदाबाद।

कांग्रेस ने विधानसभा के मानसून सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग की है। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों की बैठक हुई जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा एवं नेता विपक्ष परेश धनानी ने सरकार से मानसून सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग की। गुजरात विधानसभा का दो दिन का मानसून सत्र इसी माह के अंतिम सप्ताह में बुलाया गया है। सरकार की ओर से इस सत्र में पहले दिन विधानसभा के पूर्व दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि व शोक प्रस्ताव पेश होगा जबकि अगले दिन सरकार की ओर से विधेयक लाए जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राज्य में सरकारी व निजी जमीनों पर कब्जा करने वाले भू माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए कैबिनेट के जरिए लैंड ग्रैबिंग कानून बनाया था। इसके तहत अभी तक गुजरात में हजारों मामले दर्ज हुए तथा सैकड़ों आरोपियों की धरपकड़ की गई। सरकार के दावे के मुताबिक बीते कुछ माह में भू माफियाओं से करीब ३००० करोड़ रुपये मूल्य की जमीनों को मुक्त कराया गया।

सरकार को अब यह शिकायत मिल रही है कि प्रशासनिक वह कानूनी रूप से इस कानून का अमल काफी मुश्किल भरा हो रहा है। सरकार अब इस विधेयक पर विधानसभा में चर्चा कराना चाहती है ताकि इसमें संशोधन किया जा सके। सरकार का मानना है कि अदालत में चल रहे मामलों पर विधानसभा में चर्चा नहीं होगी लेकिन लैंड ग्रैबिंग एक्ट में संशोधन के लिए विधानसभा में एक विधेयक लाया जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान गुजरात में बड़ी संख्या में लोगों की मौतें हुई है। सरकार को इनके पीड़ति परिवारों को ४-४ लाख रुपये का मुआवजा तथा मरने वाला अगर सरकारी कर्मचारी है तो उसके परिवार को अनुकंपा नौकरी देनी चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि २ दिन संत्र की अवधि बहुत कम है जनता की समस्याओं एवं सरकार के विधायकों के लिए सत्र की अवधि को बढ़ाया जाना चाहिए।

दहेज मांगकर अत्याचार करती सास के खिलाफ शिकायत

अहमदाबाद। शहर में रहती एक युवती ने अपनी सास-ससुर और पति के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई है। शादी के बाद युवती का पति सट्टा खेलने लगा था। सट्टा में यह हार जाने पर ससुर से पैसे लाने के लिए पत्नी पर दबाव करने पर पत्नी ने पैसा लाकर दिया था। फिर से ऐसा ही हुआ और पत्नी को पैसा लाने का कहकर अत्याचार करना शुरू कर दिया था। सट्टा में कर्जा हो जाने पर युवती को परेशान करना और दुख बर्दाश्त करने का समय आ गया। पूरे मामले से परेशान होकर युवती ने पति, सास और ससुर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने अब जांच शुरू कर दी है। शहर के पूर्व क्षेत्र में रहती २८ वर्षीय युवती की शादी वर्ष २०१७ में निकोल में रहते एक युवक के साथ हुई थी।

शादी के बाद युवती को मालूम हुआ कि इसके पति को सट्टा खेलने की आदत है। शादी के तीन महीने के बाद युवती के पति ने सट्टे में कर्जा हो गया यह बताकर ससुर से पैसा मांगा था। युवती के पिता ने बेटी के घर को बनाने के लिए दामाद द्वारा लिया गया कर्जा भुगतान कर दिया था। कुछ समय के बाद युवती को इसका पति छोटी-छोटी बातों में पीटने लगा था। युवती अपनी सास-ससुर को शिकायत करे तो कहते कि, हमारे बेटा तो सीधा है। तेरी ही कोई गलती होगी। इतना ही नहीं युवती के ससुर ने नया धंधा शुरू करना है यह कहकर माइके से दो लाख लेकर आने के लिए यह युवती को बताया।

मेल ट्रेनों के एसएलआर कोच में लोड होने वाले पार्सलों में भारी उछाल

कोरोना के कारण सूरत रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेनों की एसएलआर कोच के माल लदान में भारी कमी आई थी

सूरत।

कोरोना काल के बाद पहली बार सूरत स्टेशन के मेल ट्रेनों के एसएलआर कोच में होने वाली लदान में बढ़ोत्तरी हुई। इस बढ़ोतरी से कोरोनाकाल के पहले का भी रिकॉर्ड टूट गया है। वर्ष- २०१७ में जीएसटी लागू होने के बाद २०१८- १९ उसके बाद २०२० में कोरोना के कारण सूरत रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेनों की एसएलआर (जनरल सिटिंग, लगेज रूम एंड गार्ड) कोच के माल लदान में भारी कमी आई थी। इससे अकेले सूरत रेलवे स्टेशन को हर महीने करोड़ों का नुकसान हो रहा था। अब धीरे-धीरे इसकी रिकवरी होने लगी है। सूरत में कपड़ा पार्सल की लोडिंग अब ज्यादा से ज्यादा एसएलआर कोच में भी होने लगी है। इससे रेलवे की पब्लिक पार्सल माल ढुलाई में बढ़ोतरी हुई है। अब तक सूरत स्टेशन से एसएलआर ढुलाई में ३५ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रेलवे के सूत्रों ने बताया कि सूरत से रोजाना अप और डाउन की २१० ट्रेनों से पार्सलों की ढुलाई हो रही है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में ३५ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले साल की तुलना में इस साल पार्सलों की बुकिंग ज्यादा हुई है। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा एसएलआर कोच में कोलकाता, बेंगलुरु और दिल्ली की बुकिंग ज्यादा हो रही है। इनमें कपड़े के पार्सल सबसे अधिक होते हैं, इसके अलावा अन्य वस्तुएं भी होती हैं। अब त्योहारों पर कपड़ों की डिमांड है। एसएलआर कोच सूरत से कई शहरों के लिए कपड़ों की ढुलाई में वृद्धि हुई है। बनारस और गोरखपुर के लिए भी सूरत से पार्सल भेजे जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष २०१९ -२० के अगस्त महीने की बात करें तो कोरोना नहीं होने के बावजूद भी पार्सलों की संख्या ३८०६४ थी इससे ६२,७९,८८६ की आय हुई थी।

बंगले में फर्नीचर का काम कर रहा युवक १०वीं की छात्रा संग पकडाया

सूरत।

गुजरात के सूरत शहर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां अडाजण सोसायटी के एक बंगले में फर्नीचर का काम कर रहा युवक १०वीं की छात्रा को अपने साथ ले आया था। बंगला खाली थी और युवक यहां काम कर रहा था। इसी दौरान वह रंगरेलिया मनाना चोरी-छिपे १०वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा को अपने साथ ले आया था। हालांकि, इस दौरान सोसायटी की महिलाओं ने छात्रा को देख लिया था। इसके बाद लोगों ने दोनों को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छात्रा से उसके माता-पिता का फोन नंबर लिया और कॉल कर उन्हें यहीं बुला लिया था। छात्रा की मां के आने.का बाद पता चला कि छात्रा १०वीं में पढ़ती है और सुबह स्कूल जाने के लिए निकली थी। गुस्से में छात्रा की मां ने युवक को दो-तीन थप्पड़ भी जड़ दिए थे। पुलिस ने आरोपी युवक को अरेस्ट कर लिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी यहां के एक बंगले में फर्नीचर का काम कर रहा था। बंगले के मालिक कहीं बाहर गए हुए हैं। इसी के चलते आरोपी छात्रा को यहां ले आया था। सोसायटी की महिलाएं छात्रा को स्कूल ड्रेस में देखकर ही भांप गई कि कुछ गड़बड़ है। इसके बाद लोगों को इकट्ठा किया और बंगले का दरवाजा खुलवाया। आरोपी के साथ छात्रा बेडरूम में थी। लोगों की आवाज सुनकर आरोपी घबरा गया था।

सूरत में ई-कॉमर्स बिज़नेस का उभरता नाम कुणाल रैयाणी

Femvy सूरत और देश-विदेश में बिजनेस को नई ऊंचाई दी

सूरत भूमि, सूरत।

आजकल इंटरनेट होम बिजनेस ई-कॉमर्स के स्वरूप में पैसा कमाने का एक सरल रास्ता बन गया है। आपके पास कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है और आप मात्र माउस के एक क्लिक से मार्केटिंग और व्यवसाय को सरलता से चला सकोगे। ई-कॉमर्स व्यवसाय का नोंध पात्र फायदा यह है कि आप अपने ग्राहकों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। ई कॉमर्स बिजनेस जीरो से हीरो बना सकता है इसका जीता जागता उदाहरण मतलब सूरत के कुणाल रैयाणी इ कॉमर्स बिज़नेस में देश और दुनिया में सूरत का डंका बज रहा है तब सूरत के नवयुवक कुणाल रैयाणी ने अथाक मेहनत से और बहुत ही कम समय में femvy कंपनी खड़ी की है। कुणाल रैयाणी ने की पगार की नौकरी करके इकॉमर्स बिजनेस की शुरुआत की थी और बहुत ही कम समय में आज उन्होंने अपनी कंपनी शुरू की है कुणाल का आज 10 करोड़ का टर्नओवर है। वह कल थी लोकल को सार्थक करते हुए, कुणाल रैयाणी ई कॉमर्स बिजनेस में सूरत के छोटे उद्योगों और रोजगारो को टीचिंग दे रहे हैं। अभी तक 100 से अधिक छोटे व्यापार और रोजगार वालों को ई कॉमर्स बिजनेस के साथ जुड़ चुके हैं जिससे छोटे धंधा व्यापार वाले बी ई कॉमर्स बिज़नेस का लाभ ले सके। कुणाल रैयाणी सूरत के छोटे व्यापारी द्वारा खुद के बड़े सपने को सिद्ध कर पाए इस हेतु से इस नए साहस का आरंभ किया है।

ब्रेइनडेड होने पर व्यापारी ने ६ व्यक्ति को नया जीवन दिया

सूरत।

कोरोना की बीमारी से ठीक हुए वैष्णव सुरती विशा खडायता समाज के ब्रेइनडेड मनीष प्रवीणचंद्र शाह के परिवार ने उनके फेफड़े, किडनी, लीवर और आंखों का दान करके छह व्यक्तियों को नयाजीवन देकर मानवता का उदाहरण पेश करके समाज को नई दिशा बताई। सूरत से कोलकत्ता का १६२५ किमी की दूरी १९० मिनट में पार करके फेफड़े का ट्रांसप्लांट कोलकत्ता के निवासी ४६ वर्षीय व्यक्ति में कोलकत्ता की मेडिका सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल में किया गया। किडनी और लीवर का ट्रांसप्लान्ट तीन जरूरतमंद मरीजों में अहमदाबाद की क्ुयष्ठक्र्ष्ट में किया गया। सूरत ने डोनेट लाइफ के माध्यम से अंगदान के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर महत्व का स्थान मिला। सूरत से डोनेट लाइफ के माध्यम से दान में मिला हृदय और फेफड़े देश के कई शहर जैसे कि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलोर, कोलकत्ता हैदराबाद, इंदौर और अहमदाबाद में ट्रांसप्लान्ट किया गया है। पूजा रो-हाउस, जय अंबे मंदिर के पास, अडाजण, सूरत में रहते ५३ वर्षीय मनीष प्रवीणचंद्र शाह जो कि भटार में मनीष टेक्सटाइल नाम से एम्ब्रोइडरी यूनिट चलाते थे। मनीषभाई ने गुरुवार १६ सितंबर को रात में सिर में तथा बाएं हाथ में दर्द की शिकायत करने पर घर की निकट में रहते डॉक्टर ने उनकी जांच करके दवाइयां दी थी। १७ सितंबर को सुबह में तबियत ज्यादा बिगड़ने पर परिजनों ने उनको तुरंत युनाइटेड ग्रीन अस्पताल में डॉ. निलय देसाई की उपचार के तहत भर्ती किया गया। निदान के लिए एन्जियोग्राफी कराने पर हृदय की बाईं तरफ की एक नली में १०० फीसदी ब्लोकेज होने का निदान होने पर डॉ. धवल शाह द्वारा एंजीयोप्लास्टी करके स्टेंट लगाया गया था। इसके बाद उनको आईसीयू भेजने के करीब एक घंटे के बाद वह बेहोश हो गये थे। निदान के लिए सिटी स्केन कराने पर ब्रेइन हेमरेज की वजह से दिमाग में ब्लड की गांठ तथा सूजन होने का निदान हुआ था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)